दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 03
अंकः-356
मुरादाबाद
20 April 2024
(Saturday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

लोकसभा की 102 सीटों पर हुआ मतदान , पीएम मोदी बोले- मतदान का नया रिकॉर्ड बनाएं

देश में पहले चरण में 21 राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों में मतदान हो चुके हैं। इस बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने सभी सीटों पर वोटर्स से वोट देने की अपील की है। साथ ही आग्रह किया कि इस बार मतदान का नया रिकॉर्ड बनाएं। पीएम मोदी ने पहली बार वोट डालने वाले मतदाताओं से मतदान में भाग लेने की विशेष अपील की है। देश में पहले चरण में 21 राज्यों/

केंद्र शासि?त प्रदेशों में मतदान शुरू हो चुके हैं। इस बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने सभी सीटों पर वोटर्स से वोट देने की अपील की है। साथ ही आग्रह किया कि इस बार मतदान का नया रिकॉर्ड बनाएं।लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव आज से शुरू हो रहा है! लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान में 21 राज्यों और संघ शासित प्रदेशों की 102 सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे। इन सभी सीटों के मतदाताओं से मेरा आग्रह है कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग जरूर करें और वोटिंग का नया रिकॉर्ड बनाएं। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में पीलीभीत जिले में मतदान हो रहा है। पीलीभीत लोकसभा क्षेत्र में करीब 18.31 लाख मतदाता हैं। इनमें 9.78 लाख से अधिक पुरुष और आठ लाख से अधिक महिला मतदाता हैं। सभी मतदाता 10 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। मतदान के लिए 1521 बूथ बनाए गए हैं। शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न कराने के लिए सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। बहेड़ी में जुमे की नमाज के बाद एमजीएम इंटर कॉलेज बूथ पर मतदाताओं की कतार लग गई। तेज धूप होने के बावजूद मतदाता मतदान करने के लिए कतार में खड़े रहे।

'यह मतदान का आनंद लेने का समय, संदेह करने का नहीं' , EVM पर उठाए गए सवाल पर बोले CEC कुमार

बिगड़ते मौसम के बाद भी मतदान केंद्रों पर लगी लंबी कतारों पर राजीव कुमार ने कहा कि मतदान डालने के लिए देश के लोगों में जो उत्साह है उसे देखकर वाकई खुशी महसूस होती है।दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक महोत्सव की शुरुआत आज हो गई है। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए आज मतदान हो रहा है। पहले दौर के चुनाव में 21 राज्यों की वोटिंग हो रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर तमाम नेता मतदाताओं से वोट डालने की अपील कर रहे हैं। वहीं मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी लोगों से बढ़-चढ़कर वोट डालने का अनुरोध किया है। उनका कहना है कि भले ही बारिश क्यों न हो, पर बड़ी संख्या में लोग घरों से बाहर निकल रहे हैं, यह देखकर अच्छा लगता है। आइए जानते हैं पहले दौर के चुनाव को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने और क्या कुछ कहा।भले ही बारिश क्यों न हो रही हो- बिगड़ते मौसम और लंबी कतारों पर कुमार ने कहा कि मतदान डालने के लिए देश के लोगों में जो उत्साह है उसे देखकर वाकई खुशी महसूस होती है। उन्होंने कहा, हमें कई जगह से खबर मिल रही है कि बारिश हो रही है। भले ही बारिश क्यों न हो रही हो, लेकिन लोग बड़ी संख्या में वोट डालने के लिए बाहर आ रहे हैं। महिलाएं, युवा, बूढ़े हर कोई मतदान केंद्र जाता दिख रहा है। यह देखना बहुत अच्छा है कि लोग लोकतंत्र के लिए आगे बढ़ रहे हैं। ईवीएम 100 फीसदी सुरक्षित- विपक्षी दलों द्वारा ईवीएम पर सवाल उठाए जाने पर राजीव कुमार ने कहा, यह मामला अब सुलझ गया है। यह 100 फीसदी सुरक्षित है। यह बात सुप्रीम कोर्ट में भी उठाई गई है लेकिन मशीनों का कुछ नहीं हो सकता। मॉक पोल हो चुका है। यह मतदान का आनंद लेने का समय है, किसी भी चीज पर संदेह करने का नहीं।

संक्षिप्त समाचार

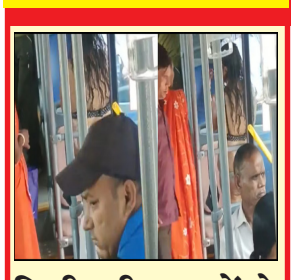

दिल्ली की बस में ये क्या पहने नजर आई महिला, यात्रियों में हुई उथल-पुथल

सोशल मीडिया पर हर तरह के वीडियो वायरल होते रहते हैं। इनमें कई वीडियो लोगों के लिए हैरान करने वाले होते है तो कई वीडियो को देख कर लोगों के मुंह खुले के खुले रह जाते हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर दिल्ली बस का एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है, वीडियो में एक लड़की बिकिनी पहने बस में घुस आई। जिसे देखकर बस में बैठे यात्रियों में उथल-पुथल मच गई। भीड़भाड़ वाली बस में बिकिनी पहने इस लड़की के वीडियो को @DELHIBUSES1 ने अपने एक्स पर पोस्ट किया है। वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि कुछ यात्री उस बिकिनी गर्ल को देखकर हैरान रहे गए हैं तो वहीं कुछ यात्री ऐसे भी थे जो बेफिक्र नजर आ रहे हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर दिल्ली बस का एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है, वीडियो में एक लड़की बिकिनी पहने बस में घुस आई। जिसे देखकर बस में बैठे यात्रियों में उथल-पुथल मच गई। लड़की जैसे ही बिकिनी पहने बस में चढ़ती है, वहां मौजूद लोग शरमा जाते हैं। जिसके बाद धीरे-धीरे वहां बैठे लोग बस से निकल जाते हैं। हालांकि यह बस किस रूट की थी, यह अभी तक पता नहीं चल पाया है। वीडियो को देखकर लोग इसपर जमकर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दें रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, कैमरामैन सही नहीं था। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, लगता है इसे ज्यादा गर्मी लग रही है।

■ बहेड़ी में दुल्हन ने किया मतदान

♦पीलीभीत लोकसभा में कृष्ण अवतार कंसल और उनकी पत्नी ने किया मतदान

√ पीलीभीत लोकसभा में बहेड़ी नगर पालिकाध्यक्ष रश्मि जायसवाल ने किया मतदान

सीएम योगी बोले- आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के लिए करें मतदान, अखिलेश-मायावती ने भी की अपील

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की जनता से पहले मतदान और फिर जलपान की अपील की है। उन्होंने लोगों से आत्मनिर्भर भारत एवं विकसित भारत के निर्माण के लिए मतदान की अपील की है।लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण में लोकसभा की 102 सीटों के लिए आज मतदान हो रहा है। वहीं, यूपी में आठ सीटों पर मतदान हो रहा है।लोकतंत्र के इस पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता से %आत्मनिर्भर भारत एवं विकसित भारत के निर्माण के लिए वोट करने की अपील की है। सीएम योगी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा, आज लोकतंत्र के महापर्व का प्रथम चरण है। सभी सम्मानित मतदाताओं से मेरी अपील है कि आत्मनिर्भर भारत एवं विकसित भारत के निर्माण के लिए, नए भारत की अविराम विकास यात्रा के लिए मतदान अवश्य करें। आपका एक वोट भारत को और अधिक सशक्त बनाएगा। इसलिए ध्यान रहे, पहले मतदान, फिर जलपान! जय हिंद! पहले चरण के मतदान से पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी जनता से अपील की है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि अपने सुनहरे भविष्य के लिए वोट ज़रूर डालें।मायावती ने जनता से पहले मतदान और फिर जलपान की अपील करते हुए एक्स पर कहा कि देश में हो रहे 18वें लोकसभा आमचुनाव में आज पहले चरण की वोटिंग से ही 'पहले मतदान, फिर जलपान' के संकल्प के साथ पूरे होश व जोश के साथ बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने की सभी वोटरों से अपील, ताकि रोज़गार, सुरक्षा, आत्म-सम्मान व स्वाभिमान-युक्त जीवन देने वाली अच्छी सरकार देश में बने। उन्होंने आगे कहा कि वोट हर पात्र नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। पूरी निर्भयता के साथ इस हक का इस्तेमाल करके सत्ता में अपनी प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने का भरसक प्रयास जरूरी है। चुनाव आयोग भी स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव तथा खासकर गरीबों, मजलूमों और महिलाओं को वोट देने में उनका पूरा-पूरा सहयोग करें। यूपी में नगीना, कैराना, मुरादाबाद, पीलीभीत, रामपुर, सहारनपुर, बिजनौर और मुजफ्फनगर सीट पर मतदान हो रहा है।

हेमामालिनी ने नंदगांव में की नुक्कड़ सभा, बोलीं-भाजपा को जिताकर जनता करेगी विकसित राष्ट्र का निर्माण

उत्तर प्रदेश के मथुरा में शुक्रवार को भाजपा प्रत्याशी हेमा मालिनी ने नुक्कड़ सभा की। उन्होंने सभा को संबोधित कर लोगों से अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की। कहा कि इस बार पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

हेमामालिनी ने नंदगांव में नुक्कड़ सभा की। उन्होंने कहा कि तीसरी बार भाजपा सरकार बनाकर जनता विकसित राष्ट्र का निर्माण करेगी। हेमा मालिनी ने यह नुक्कड़ सभा संसदीय क्षेत्र के नंदगांव क्षेत्र में आयोजित की। इसमें भाजपा व लोकदल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता संयुक्त रूप से शामिल हुए। इस मौके पर हेममालिनी ने कहा कि 26 अप्रैल को जनता जनार्दन अपने मत की शक्ति से मथुरा में एक बार फिर कमल खिलाएगी। तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाकर विकसित राष्ट्र का निर्माण करेगी। बताते चलें कि भाजपा ने हेमा मालिनी को तीसरी बार मथुरा से प्रत्याशी बनाया है। उनका मुकाबला कांग्रेस के मुकेश धनगर और बसपा से सुरेश सिंह मैदान सहित 15 प्रत्याशियों से है। मथुरा से 12 प्रत्याशी निर्दलीय मैदान में हैं। निर्दलीयों को भी जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर चुनाव चिह्न जारी कर दिए गए हैं।

संपादकीय Editorial

Monsoon will be better than normal, El Nino is weakening

The level of rainfall this year has become extremely important after the monsoon rainfall in India in 2023 was 5.6 percent below normal. The good thing is that the monsoon forecast of the Meteorological Department has said something positive about the rains. It is estimated that the south-west monsoon will be better than normal in 2024. It is estimated to be 106 percent of the long-term average. El Nino is weakening and La Nina is improving. This will also be a reason for strong monsoon rains in the Indian subcontinent. Along with this, positive dipole conditions (a climate trend) over the Indian Ocean and less than normal snow cover over the Northern Hemisphere will also be favorable for rain. However, the distribution of rainfall is not expected to be uniform. Some areas of North-East, North-West and Eastern region may receive less than normal rainfall. Rainfall during the southwest monsoon is important for the production of kharif crops. Despite improvements in irrigation facilities, this is an important factor for this crop. According to the second advance estimates of GDP presented by the National Statistical Office, the growth of agriculture and allied activities may remain at the level of 0.7 percent in 2023-24, whereas it was 4.1 percent last year. This is not surprising given the irregular monsoon and El Nino effect last year. Irregular rainfall patterns and drought-like conditions can disrupt normal crop production cycles and introduce new pests and new plant diseases. On the contrary, good rains can increase both crop production and agricultural productivity. There is an established relationship between annual rainfall and increase in gross value added in agriculture. A good monsoon also benefits the Rabi crop as it increases moisture and improves the water level in reservoirs. Higher agricultural productivity helps keep food prices within a range. This has kept overall inflation at a high level for some time now. This has happened at a time when the core inflation rate has been less than 4 percent. Improvement in agricultural prospects will also help overall growth. Both higher production and increase in rural demand will contribute to this. Higher production and lower food inflation will also help the government ease export restrictions on food products. Repeated ban on exports will affect our credibility as a global supplier of agricultural commodities. However, better-than-average rainfall projections should not distract our policymakers from the long-term challenges posed by climate change.

Extreme weather events are increasing. In the year 2023, extreme weather events occurred on 318 days out of 365 days. Due to this, 22.1 crore hectares of agricultural area was affected, many lives were lost and property was also damaged. If no versatile policy is adopted for this, the impact of such incidents will increase. The impact of heat waves and flood incidents is not limited to the agricultural sector only. It also generally affects productivity and quality of life.

Due to weak monsoon last year, the water level in the reservoirs fell 19 percent below the 2022 level. It remained 8 percent below the 10-year average level. Central Water Commission data shows that the current water level in half the major reservoirs of the country is less than 40 percent of their capacity. In such a situation, full advantage of the better monsoon this year should be taken so that the groundwater level improves and water remains in the major reservoirs of the country. However, long-term policy should focus on how to save more water and reduce water use in agriculture. Most of our water resources are used in agriculture.

GST reform priority

Although decisions related to GST are taken by the GST Council, the next central government, irrespective of party or coalition, should give impetus to the pending reforms.If we talk about the most important reforms of the last decade, the Goods and Services Tax (GST) reform is one of them. However, due to various reasons, its performance was weaker than initial estimates and the economy did not benefit from it as much as was imagined. Tax collection has improved in recent years and there is much scope for improvement. Although decisions related to GST are taken by the GST Council, the next central government, irrespective of party or coalition, should give impetus to the pending reforms. It should not only focus on increasing tax collections under GST 2.0 but also improve the overall indirect tax administration thereby increasing the ease of doing business in the country. In the year 2023-24, the overall GST collection improved by 11.7 percent and reached Rs 20.18 lakh crore. According to the second advance estimate of Gross Domestic Product (GDP), this collection was 6.86 percent of the GDP. Talking about net refunds, the collection stood at 6.13 percent of GDP, which is better than last year. However, revenue collection should be estimated on the basis of all taxes including GST. General government revenue collection from taxes after inclusion of GST stood at 6.3 percent of GDP in 2016-17. The current performance would be more disappointing if cess is taken out of it. Keep in mind that this was the original design of GST. The cess was collected to meet the revenue shortfall to the states for the first five years of implementation. However, cess collection continued even after five years to repay the loan that was taken to compensate states during the pandemic. Excluding refunds and cess, GST collections will fall below six percent of GDP. There are many reasons for the weak performance of GST. These also include premature reduction in rates due to political reasons. The multiplicity of rates created a lot of confusion. In many cases the charges were reversed which affected revenues for years. Issues related to information technology and compliance have also been resolved to a large extent but they cannot address the fundamental shortcomings of the system. The Reserve Bank of India had estimated in September 2019 that various adjustments in rates showed that the effective average rate at the beginning of GST was 14.4 per cent, which was 11.6 per cent. The next government should, on priority, motivate the GST Council to prepare a revenue neutral rate. Along with this, there is a need to rationalize the rate slabs also. Most goods and services should be subject to one rate. Tax rates should be reduced only on select essential goods while tax rates on 'harmful' products can be increased. The Council should also consider bringing petroleum products under GST. Apart from other reforms, the council should also discuss cess. The period for imposing the cess has been extended till March 2026 but analysts believe that the loan taken for compensation will be repaid soon. There is also a view that cess should be included in the GST rates. However, this would not be appropriate and would fundamentally go against the initial promise of GST. There is a need to increase GST revenue but to do so the fundamental flaws of the system must be removed. Imposing heavy taxes on selected goods would be against the basic idea of GST.

Accounting of expenses is more important than earning, the concept of budget making is ending.

There was a time when people used to create budgets to manage monthly expenses and financial commitments. Now this concept is ending. Fuel prices are changing every few weeks. Electricity consumption at home depends on how many days you spend at home or go to work. Now it is difficult to live a financial life by making a budget. Today's youth often think that we earn more than the salary we take home. In reality it is just the opposite. You bring home less than you earn. You will come to know this when you will keep track of your bank account, expenses and others. A few weeks ago, I got a chance to talk to 15 youth in a startup. At the age of 20, he had some confidence which I did not have at his age. It was a session organized by their HR team, where it was felt that employees should understand about saving and investment methods. One of the girls spoke openly and told that by the end of the month she would not have the money left for her investment. His parents often reminded him that he had not saved properly. She used to earn around one lakh rupees per month. Same was the condition of other people also. When I inquired about his expenses, he has never really kept track of his expenses. I asked him if he had apps like Uber, Swiggy, Amazon etc. on his phone? They all nodded and then showed us dozens of apps through which they ordered food, clothes, cabs and what not. Then I asked the girl if she ever checked her bank details through her banking app. His answer was...no. Make a Budget...Manage Necessary Expenses- There was a time when people used to make budgets to manage monthly expenses and financial commitments. Now this concept is ending. Fuel prices are changing every few weeks. Electricity consumption at home depends on how many days you spend at home or go to work. Now it is difficult to live a financial life by making a budget. Still, it is important to check savings and expenses. If a monthly salary earner lives with his parents, then he should save 25-35 percent of his total income for investment. If they are living alone, save about 15-25%. Expenditure on food, rent, groceries and other such things should not exceed 45-50 percent of your income. Should save 20-25%. You can spend 35-40 percent of your income on things like paying tax liabilities and gadgets. The truth is not what you know - Salaried people often think that they earn only what they are told. This is not true, because if the cost-to-company (CTC) is Rs 12 lakh per annum i.e. Rs 1 lakh per month, then your actual salary is between Rs 70,000 and Rs 80,000 per month. This is because the company invests in PF along with deducting tax from it. Salary is available only for 9 months in a year - If we calculate the salary, then you do not get 2.5 to 3 months of your estimated salary. Salaried people usually pay 3 months of their annual salary as tax and other contributions. In contrast, a businessman pays tax on his total income after expenses, while a salaried person gets his money after taxes have already been deducted. Then they also pay GST on everything. All the information in the salary slip - When I managed to make them understand that they were spending more than the actual salary coming in their hands, some of them even contacted HR. But started venting out anger. However, all these details are in their salary slip. Many people don't bother to check. Even if some people investigated, they did not try to understand what they found and where the rest went. Save and invest every month – The first few years of your career are good for experiencing financial freedom, but these are also the years that will help build the foundation of saving and investing. The sooner you start saving and investing, the better are the chances that you will be able to handle financial responsibilities with ease.

If you want to buy a house then wait, you will get cheap loan

The cut in interest rates after Corona and then the continuous increase to stop inflation has brought the repo rate to its highest level in many years at 6.5 percent. Still, home loan interest rates are still in less than double digits. Statistics show that SBI is currently charging 8.50 to 9.85 percent interest on home loan of Rs 75 lakh. If you are thinking of buying a house then wait for a few more days. There is hope of getting loan at cheap interest. Given the situation that is emerging, it is expected that RBI will definitely cut rates in June or August. This report explains the mathematics of cheap loans and interest rates - RBI has kept the repo rate unchanged for the seventh time in the bi-monthly Monetary Policy Committee meeting in April. However, a rate cut is expected in the June or August meeting. Reason...Retail inflation fell below five percent in March. The RBI Governor himself believes that inflation is decreasing. Also, globally, central banks are planning to cut rates. Election results will come on June 4 and RBI meeting is to be held from June 5-7. In such a situation, all signs are pointing to a rate cut. Loans worth Rs 75 lakh are still cheap - The cut in interest rate after Corona and then the continuous increase to stop inflation has brought the repo rate to its highest level of 6.5 percent in many years. Still, home loan interest rates are still in less than double digits. Statistics show that SBI is currently charging 8.50 to 9.85 percent interest on home loan of Rs 75 lakh. Bank of Baroda is giving loan at 8.40 percent to 10.65 percent, Union Bank at 8.35 to 10.90 percent and Punjab National Bank at 8.40 to 10.15 percent. . The rate of Bank of India is 8.40 to 10.85 percent and that of Canara is 8.45 to 10.25 percent. You can earn good income from rent - The prices of houses have increased rapidly in the last two years. Especially in seven major cities of the country, prices have increased by 30 percent. Despite this, sales have reached record levels. However, compared to houses, you can buy commercial properties like shops or offices and rent them out. Commercial properties can give you higher returns than houses. If you are buying a house then definitely check the PAN card - If you are buying a house worth more than Rs 50 lakh then check the PAN card of the seller. The buyer of such properties has to deduct one percent TDS. This TDS has to be deposited with the Income Tax Department. However, if you have not taken the PAN card of the seller or his PAN card is inoperative, then you will have to deduct 20 percent tax. You will have to pay this amount if tax is not deducted. Therefore, in such situations, always check the PAN before paying the earnest money. Can earn good income from residential and commercial properties. Provided that the investment amount is small and invested at a suitable place, so that there is no difficulty in selling the property in case of emergency.--Ajay Rai, RERA registered consultant.

मुरादाबाद में मतदान के लिए लगीं लाइनें, युवा बोले- विकास के मुद्दे पर किया वोट

मुरादाबाद- मुरादाबाद में आज पहले चरण के लिए मतदान शुरू हो चुका है। सुबह 7 बजे से ही बूथ स्थलों पर लंबी कतारें दिखाई दे रही हैं। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदाता अपने मत का इस्तेमाल कर अपने पसंदीदा प्रत्याशी को सासंद बनाना चाहते हैं। विकास के मुद्दे पर किया वोट -युवा बूथ पर वोट करने आई नीति ने बताया की उन्होंने अयोध्या में श्रीराम मंदिर बनाने के मुद्दे और नोट बंदी जैसे फैसले पर वोट किया है। नीति ने कहा सरकार की कई सारी योजनाओं से प्रभावित होकर उन्होंने वोट किया है। वहीं सायमा के मुताबिक उन्होंने विकास के मुद्दे पर वोट किया हैं। उनके मुताबिक सरकार विकास की ओर ध्यान दे। वहीं शमीम का कहना है की देश में तरक्की उन्नति और रोजगार के लिए वोट किया है। वहीं पहली बार अपने मत का इस्तेमाल करने पहुंचे मोहम्मद असलम ने कहा की उन्होंने खराब सड़कों और बेरोजगारी के मुद्दे पर वोट किया है। कौन बनेगा सांसद, गली-मोहल्लों में रही चर्चा? मुरादाबाद। बुधवार को चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद प्रत्याशी और उनके समर्थक गुरुवार को देर रात तक गली-मोहल्लों में जनसंपर्क में जुटे रहे। वहीं मतदाताओं ने भी देर रात तक चौपालें लगाई और सभी ने अपने-अपने आकड़ों से बताया कि कौन सांसद बनेगा। अब शुक्रवार को मतदाता फैसला करेंगे कि इस बार कौन सांसद बनेगा। गुरुवार को मतदान से एक दिन पहले महानगर की हर गली-मोहल्लों में सभी प्रत्याशियों की अच्छाई और बुराई पर चर्चा होती रही। कोई अपने प्रत्याशी और अपनी पार्टी की तारीफ कर रहा था तो कोई दूसरों के विरोध में लगा रहा। देर रात तक चाय और पान की दुकानों पर भी लोग एक-दूसरे से पूछते नजर आए कि किसे वोट दे रहे हो। किसी ने अपने प्रत्याशी का नाम बता दिया तो किसी ने कह दिया कि कोई ढंग का प्रत्याशी नहीं है, लेकिन वोट तो वह पार्टी के लिए देंगे। ज्यादातर लोगों का जोर प्रत्याशी के स्थान पर पार्टी को वोट देने पर रहा।

पहली बार मुस्लिम बूथ एजेंट की लगाई गई ड्यूटी, महिलाओं का नकाब हटवाकर कर रहीं आईडी से मिलान

मुरादाबाद- बुर्के में वोट डालने के लिए आने वाली मुस्लिम महिला मतदाताओं की जांच के लिए मुस्लिम बूथ एजेंट की ड्यूटी लगाई गई है। ये पहली बार हो रहा है जब मुस्लिम महिला मतदाताओं की पहचान के लिए मुस्लिम एजेंट की ड्यूटी लगाई है। मुरादाबाद लोकसभा के सभी बूथों पर मुस्लिम महिला एजेंट की तैनाती की गई है। ये पहल चुनाव आयोग की तरफ से की गई है। पोलिंग बूथ पर तैनात मुस्लिम महिला बूथ एजेंट मतदान करने आई महिलाओं की पहचान के लिए नकाब हटवाकर आईडी से मिलान कर रही हैं। इन मुस्लिम महिला एजेंट की तैनाती ब्लॉक स्तर पर बने बूथों पर की गई है। बूथ एजेंट लाइका कौसर ने बताया की अभी तक किसी फर्जी वोटिंग की बात सामने नहीं आई है। मुस्लिम महिलाओं की वोटर आईडी से पहचान/मिलान करने के बाद वोटिंग करवाई जा रही है।

सपा सांसद डॉ. एसटी हसन के नर्सिंग होम में घुसी पुलिस, लगाए गंभीर आरोप...वीडियो वायरल

मुरादाबाद- लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण का मतदान हो रहा है। शुक्रवार दोपहर के बाद सपा सांसद डॉ. एसटी हसन के नर्सिंग होम पर अचानक पुलिस पहुंच गई। पुलिस का कहना है कि सांसद डॉ. एसटी हसन के की वेबसाइट खोलकर थी। इसकी सूचना पर तो वह भी मौके पर पहुंचे कि आज वह किसी से वह केवल भारत निर्वाचन कार्य संपन्न करा रहे हैं...। इंस्पेक्टर पर अपने स्टॉफ से का आरोप लगाया है। इस सोशल मीडिया पर प्रसारित लगाया है कि पुलिस बेवजह नर्सिंग होम पर चुनाव आयोग मतदाता पर्ची निकाली जा रही मजिस्ट्रेट विनय पांडेय को लगी थे। इस दौरान मजिस्ट्रेट ने कहा मिलेंगे न ही कुछ सुनेंगे...आज आयोग के अंडर में निर्वाचन उधर, सपा सांसद ने सब अभद्रता (मिसबिहेव) करने कार्रवाई का वीडियो भी हो रहा है। डॉ. हसन ने आरोप उन्हें परेशान कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि मतदाता सूची में किसी पात्र वोटर का नाम खोजे नहीं मिल रहा है तो वह और उनका स्टॉफ निर्वाचन आयोग की वेबसाइट से नाम खोजकर उसे मतदान करने को पर्ची दे रहे हैं तो इसमें क्या गलत है। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं अधिक से अधिक मतदान हो। सांसद ने कहा कि वह इस मामले की शिकायत भारत निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन अधिकारी से भी करेंगे।

अपने-अपने मुद्दे समझ कर युवाओं- महिलाओं व बुजुर्गों ने किया वोट

युवाओं ने बेहतर भविष्य के लिए तो महिलाओं ने किचन के बजट को दुरुस्त करने के मुद्दे पर डाला है वोट

मुरादाबाद- इस बार के लोक सभा चुनाव में मतदाता अपने मताधिकार को लेकर काफी गंभीर दिखे हैं। उन्होंने काफी सोच समझकर मतदान किया है। महिला मतदाताओं ने कहा कि वह वोट जरूर डालेंगी, ये मन उन्होंने काफी समय पहले ही बना लिया था। यही नहीं, वह लोग अपने घर के आसपास की महिलाओं-युवतियों को भी वोट डालने को प्रेरित करके बूथ पर लाई थीं। मतदान करने आए युवाओं ने भी अपने मुद्दे बताए तो उम्र-दराज पुरुषों ने भी मतदान के पीछे अपने मुद्दे गिनाए। कई महिलाओं ने किचन के बजट को मुद्दा बनाकर वोट किया है तो कई ने सीधे मोदी की कार्यकुशलता को सराहकर मतदान किया है। कांठ रोड पर स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में बने बूथ पर वोट करने आईं राकेश राठी ने एक सवाल पर बोलीं, हमारा मुद्दा तो महंगाई का है और इसी मुद्दे पर उन्होंने वोट किया है। राकेश ने कहा कि किचन का सामान वह चाले दाल हो या चावल, घी-दूध सब महंगा ही महंगा है। गरीब ही नहीं मध्यम वर्गीय परिवार भी गैस सिलेंडर तक नहीं भरा पा रहे हैं। झोपड़-पट्टी वाले ही नहीं उनके मुहल्ले में ही कई बना रहे हैं। इसी आईटीआई में बूथ स्थल पर वोट करने ही है। शिक्षा इतनी अधिक महंगी है कि बच्चों को पढ़ा और निजी स्कूलों की फीस चुकाने के चक्कर में उनके निजी स्कूल हर साल फीस बढ़ा रहे हैं उनकी मनमर्जी है। जन प्रतिनिधि भी इनके फीस स्ट्रेक्चर को नहीं जांचते हैं। सानिया ने कहा कि उनका मुद्दा भी महंगाई ही है। कहा, 1100 पार है। उन्होंने कहा कि हम महिलाओं को रसोई को धुआं मुक्त कर देंगे, लेकिन कुछ नहीं हुआ। घर हो गए हैं गैस नहीं भरा पाए हैं। फाजिल मलिक ने बताया मुरादाबाद में मुद्दे बहुत हैं। किले से हरथला तक पांच अधिक और गहरे गड्ढे हैं कि आए दिन ई-रिक्शा और ऐसे परिवार हैं, जो लकड़ी बीन कर चूल्हा जलाकर खाना जा रहीं यासमीन ने पूछने पर कहा, उनका मुद्दा भी महंगाई पाना मुश्किल हो रहा है। आठ-नौ हजार रुपये का कोर्स परिवार के सभी शौक निरर्थक हो गए हैं। उन्होंने कहा कि इनके लिए न कोई नियम है न ही कानून और अधिकारी या यासमीन के साथ अन्य महिलाएं मिलन, शुभि, संतोषी व रसोई का बजट बिगड़ गया है। सिलेंडर 410 का था, आज उज्जवला योजना का झांसा मिला है। कहा जा रहा था कि में उज्जवला योजना का सिलेंडर खाली रखा है, कई महीने वह वोट कर आए हैं। किस मद्दे पर वोट किया तो बोले मिनट का रास्ता है...आधा घंटे में तय कर रहे हैं। इतने ऑटो पलट रहे हैं। युवाओं ने भविष्य की चिंता कर किया है वोट- हरथला के विशाल सिंह, मऊ के अरुण कुमार ने बताया कि वह लोग मतदान कर आए हैं। उम्मीद है कि अच्छी सरकार बनेगी तो उन्हें रोजगार मिलेगा। नौकरियों में भेदभाव नहीं होगा। पेपर लीक होने वाली समस्या भी समाप्त हो जाएगी। आइटीआइ हरथला मतदान केंद्र पर वोट करने के बाद लौट रहे बुजुर्ग मो. चांद खां ने बताया कि 54 नंबर बूथ पर वोट डाल आए हैं। वह मजदूर हैं। सरकार अब मजदूरों के लिए कुछ सोंच रही है। अच्छी सुविधा मिलेगी, यही सोचकर मतदान किया है। कलीम ने बताया कि वह अब तक अपने जीवन में तीन चुनाव में वोट किया है। कहा, केंद्र सरकार की नीतियों से वह प्रभावित हैं। यही बात अंकित ने दोहराई। इन्होंने कहा कि केंद्र हो या राज्य, इन सरकारों की नीतियां और योजनाओं से वह काफी प्रभावित हैं। इसलिए वोट डालने में देरी नहीं की। सुबह ही बूथ पर पहुंच गए थे तब भीड़ भी नहीं थी और आसानी से वोट डाला है। घरों में मतदाता पर्ची न पहुंचने की रही समस्या- आईटीआई मतदान केंद्र पर मिले मऊ के अरुण कुमार और आकाश भारती ने कहा कि इस बार के चुनाव में बड़ी समस्या वोटर पर्चियों की रही है। उन्हें उम्मीद थी कि मतदान के दिन से पहले घर पर पर्ची आ जाएगी लेकिन, नहीं आई। ऐसे में उन्होंने तय किया कि पर्ची के अभाव में कोई वोट पड़ने को रह न जाए इसलिए वह लोग सुबह से ही वोटर लिस्ट लेकर मतदान केंद्र से दूर बैठकर लोगों को वोटर पर्ची बनाकर दे रहे हैं। इन्होंने बताया कि युवाओं की एक टीम मोरा की मिलक में भेज रखी है। यह टीम घरों में संपर्क कर पूछ रही कि जिसके पास वोटर पर्ची न हो वह पर्ची प्राप्त कर लें और वोट जरूर डालें। इस तरह उन लोगों ने दोपहर ढाई बजे तक करीब 300 वोट डला चुके थे। मोरा की मिलक के सचिन ने बताया कि उनके परिवार में छह वोट हैं। पर्ची नहीं पहुंची है तो लेने आए हैं। किसी का वोट पर्ची के अभाव खराब न हो, इसलिए वह अपने मुहल्ले के कई लोगों को भी साथ ले आए हैं और उनकी पर्ची बनवाकर वोट डला रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस और सपा प्रत्याशी के बीच झड़प का वीडियो वायरल, जानें मामला

मुरादाबाद- मुरादाबाद में पहले चरण के मतदान में लोगों का काफी उत्साह देखने को मिला। मतदान की रफ्तार जहां दोपहर 1 बजे तक धीमी दिखाई दे रही थी तो वहीं 5 बजे के बाद मतदान ने रफ्तार पकड़ी है। इस दौरान मतदान स्थलों पर भारी संख्या में मतदाताओं की भीड़ दिखाई दी। थाना गलशहीद इलाके के बनातुल कुरेश गर्ल्स इंटर कॉलेज में बने मतदान केंद्र पर सपा की लोकसभा प्रत्याशी और पुलिस के बीच झड़प हो गई। आरोप है की थाना गलशहीद प्रभारी ने बुजुर्ग मतदाता को धक्का दिया। जिसके बाद काफी देर तक पुलिस और रुचि वीरा के बीच हंगामा होता रहा। काफी देर बाद आला अधिकारियों के मौके पर पहुंचने के बाद मामले को रफा दफा किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने परिवार संग डाला वोट, बोले- अपने मत का जरूर करें प्रयोग

मुरादाबाद- देश का सबसे बड़ा पर्व मतदान दिवस शुक्रवार सुबह 7:00 मतदान शुरू हो गया। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने भी अपने परिवार के साथ अपने मत का प्रयोग किया। सुबह 9:00 बजे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी अपने परिवार के साथ सिविल लाइंस स्थित विलसोनिया कॉलेज पर बने मतदान केंद्र पर मतदान करने पहुंचे। भूपेंद्र सिंह चौधरी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हमारी सरकार ने पूरे 10 साल में सबका साथ सबका विकास को लेकर जो काम किए हैं। उसे पर देश की जनता एक बार फिर देश की बागडोर मोदी जी को सौंपने जा रही है। उन्होंने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि आप लोग घरों से निकले और अपने मत का जरूर प्रयोग करें। देश के महापर्व में अपनी भागीदारी दें।उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य सुरक्षा, आस्था, परंपरा और विरासत को लेकर हम लोग आगे बढ़े हैं। इसलिए मुझे पूरा विश्वास है कि जनता इस बार प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी को एक बार फिर से जन समर्थन देगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जनता ने 32 में से 32 विधानसभा के साथ इकलौती लोकसभा सीट देने का फैसला कर लिया, बोले सिक्किम CM तमांग

सिक्किम विधानसभा की 32 सीटों के लिए 146 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। आज इनका भाग्य ईबीएम मशीन में बंद हो जाएगा। यहां पर इस समय सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) की सरकार है।सिक्किम में मुख्यमंत्री और एसकेएम सुप्रीमो प्रेम सिंह तमांग, पूर्व सीएम और एसडीएफ प्रमुख पवन कुमार चामलिंग विधानसभा सीटों के लिए मैदान में 146 उम्मीदवारों का भाग्य आज ईबीएम मशीन में बंद हो जाएगा। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने अमर उजाला से कहा, सिक्किम क्रांतिकारी सरकार ने जनता की जनता ने 32 में से 32 लोकसभा सीट फैसला कर लिया है। मदद की। अब यहां पर हो गया है। तमांन ने चौकाने वाली बात पार्टी के प्रत्याशी को पहली बार उन्होंने

मोर्चा (एसकेएम) की सेवा की। इस बार सीटों और एक एसकेएम को देने का हमने बाढ़ के बाद पूरी टूरिज्म बिल्कुल सामान्य मतदान करने के बाद कही कि वे पहले दूसरी वोट डालते थे। लेकिन अपने को वोट डाला है। उन्होंने कहा, सबसे बड़ा मुद्दा है विकास का मुद्दा है। पहले की सरकार ने 25 वर्षों में कोई काम नहीं किया। वह काम हम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें जनता ने 2019 में मौका दिया लेकिन उसके बाद कोरोना का प्रकोप आया। उसके बाद सिक्किम में बाढ़ ने कहर बरपाया। इन मुसीबतों के बाद भी हमने विकास के काम किए। अनुमानित 4.64 लाख मतदाता, जिनमें 2,32,381 पुरुष मतदाता और 2,31,545 महिलाएं शामिल हैं, राज्य में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र होंगे। सिक्किम- 146 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला -सिक्किम विधानसभा की 32 सीटों के लिए 146 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। आज इनका भाग्य ईबीएम मशीन में बंद हो जाएगा। यहां पर इस समय सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) की सरकार है। यहां पर अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए 12 सीटें रिजर्व हैं। सिक्किम विधानसभा का कार्यकाल दो जून को समाप्त हो रहा है। इस बार सबसे ज्यादा रोचक मुकाबला होने की उम्मीद है निवर्तमान सीएम प्रेम तमांग की पत्नी कृष्णा कुमारी राय नामची-सिंघीथांग सीट पर विपक्षी एसडीएफ के अध्यक्ष और पांच बार के मुख्यमंत्री पवन चामलिंग को टक्कर देंगी। इसके अलावा मुख्यमंत्री प्रेम तमांग दो विधानसभा क्षेत्रों सोरेंग-चाकुंग और रेनॉक निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव मैदान में उतर रहे हैं। जबकि विधानसभा अध्यक्ष अरुण कुमार उत्प्रेती को अरिथांग विधानसभा क्षेत्र से मैदान में उतारा गया है। एसकेएम ने नौ मंत्रियों को टिकट दिया है और दो का टिकट काट दिया है।कुल 146 उम्मीदवार, 12 महिलाएं- सिक्किम में लगभग 50 प्रतिशत मतदाता महिला हैं, लेकिन इस बार सिक्किम विधानसभा मैदान में 146 उम्मीदवारों में से केवल 12 महिला उम्मीदवार हैं। पिछले विधानसभा 15 महिला उम्मीदवार थीं। इस बार सत्तारूढ़ सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा ने चार महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। 2019 के चुनावों में पार्टी ने तीन महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था।राज्य में कुल मतदाता 4.66 लाख- राज्य में कुल 4.66 लाख मतदाता हैं, जिनमें से 2.31 लाख महिलाएं हैं। निवर्तमान सिक्किम विधानसभा (एसएलए) में तीन महिला विधायक थीं। मेली से फरवंती तमांग, रंगांग यांगगांग से राजकुमारी थापा और जूम-सलघारी (एससी) से सुनीता गजमेर।

बंगाल के राज्यपाल ने शांतिपूर्ण मतदान के लिए कालीघाट मंदिर में की प्रार्थना, पीस रूम से रख रहे नजर

राज्यपाल ने दावा किया कि उन्होंने कूचबिहार जाने का फैसला इसलिए किया था, क्योंकि वह मतदान के दिन लोगों के साथ रहना चाहते थे, लेकिन उन्होंने देखा कि उनके इरादे का राजनीतिकरण किया जा रहा है।पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस ने शुक्रवार सुबह कोलकाता के प्रसिद्ध कालीघाट मंदिर में पहुंचकर उत्तर बंगाल की तीन लोकसभा सीटों पर हो रहे चुनाव में शांतिपूर्ण मतदान के लिए प्रार्थना की। इसके बाद राज्यपाल राजभवन में खोले गए पीस रूम (शांति कक्ष) में बैठकर सुबह से ही तीनों लोकसभा क्षेत्रों कूचबिहार, जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार के घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं।कालीघाट मंदिर से निकलते समय राज्यपाल ने पत्रकारों से कहा कि वे आज पूरे दिन भर और घटनाक्रम पर नज़र में लोगों के लिए ईमेल चौबीसों घंटे उपलब्ध हूं। रूम को इन तीनों क्षेत्रों मतदान में बाधा, संबंधी लगातार शिकायतें राजभवन के अधिकारी ने रूम को इन तीनों क्षेत्रों तक 100 से अधिक

पीस रूम में ही रहेंगे रखेंगे। मैं पीस रूम और टेलीफोन पर राजभवन के पीस से छिटपुट हिंसा, धमकियां आदि भी मिल रही है। बताया कि पीस से सुबह 10 बजे शिकायतें मिल चुकी है। दरअसल, राज्य में चुनावी हिंसा को देखते हुए मतदाताओं में विश्वास जगाने के लिए राज्यपाल ने मतदान के दिन कूचबिहार में डेरा डालने की योजना बनाई थी, क्योंकि इस निर्वाचन क्षेत्र में पिछले विधानसभा और पंचायत चुनावों में हिंसा के सबसे ज्यादा मामले सामने आए थे। हालांकि, चुनाव आयोग ने बुधवार को राज्यपाल को मतदान के दिन वहां के दौरे पर नहीं जाने की सलाह दी थी, जिसके बाद राज्यपाल ने कूचबिहार के दौरे को टाल दिया और राजभवन से ही नजर रख रहे हैं। आयोग ने उन्हें ईमेल भेजकर कहा था कि मतदान के दिन उनकी यात्रा से आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होगा।सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने भी आयोग में राज्यपाल के खिलाफ एक शिकायत दर्ज की थी कि कूचबिहार में चुनाव में हस्तक्षेप करने और प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है। राज्यपाल ने दावा किया कि उन्होंने कूचबिहार जाने का फैसला इसलिए किया था, क्योंकि वह मतदान के दिन लोगों के साथ रहना चाहते थे, लेकिन उन्होंने देखा कि उनके इरादे का राजनीतिकरण किया जा रहा है। मेरा ध्यान राज्य में हिंसा के खिलाफ लड़ना है, खासकर चुनाव के दौरान। इसीलिए मैं कूचबिहार जाना चाहता था, लेकिन इसका राजनीतिकरण करने का प्रयास किया गया। वह नहीं चाहते कि उनके पद की गरिमा को ठेस पहुंचे और कोई भी उन्हें किसी भी राजनीतिक खेल में मोहरे की तरह व्यवहार करे। इसलिए उन्होंने अपना उत्तर बंगाल दौरा रद करने का फैसला किया।हिंसा के खिलाफ मुखर हैं राज्यपाल-बता दें कि 16 मार्च को, जिस दिन चुनाव आयोग ने पूरे देश में लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की थी, उसी समय राज्यपाल ने कहा था कि वह पहले दिन से ही मतदान के दिन सड़क पर रहेंगे। मैं सुबह छह बजे सड़कों पर उतरूंगा। मैं लोगों के लिए उपलब्ध रहूंगा। पिछले साल पंचायत चुनावों में हुई मानव रक्त की राजनीतिक होली को अब अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

रेलवे लाइन से तांबे के तार चोरी करने के मामले वांछित अभियुक्त 25 किलो तार सहित गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच

एटा - वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह के आदेशों के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत व अपर पुलिस अधीक्षक जनपद धनंजय

सिंह कुशवाहा व क्षेत्राधिकारी नगर विक्रान्त द्विवेदी के कुशल निर्देशन में थानाध्यक्ष संजय पाल सिंह राघव थाना बागवाला के नेतृत्व में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बागवाला पुलिस द्वारा रेलवे लाइन से तांबे के तार की चोरी के मामले में थाना बागवाला पर पंजीकृत मु0अ0सं0-33/2024 धारा 379/411/427 भादवि में वांछित चल रहे अभियुक्त विकास पुत्र रघुराज सिह निवासी ग्राम तालिमपुर खेरिया को ग्राम लभैटा मन्दिर के पास आसपुर रोड थाना बागवाला से आज शुक्रवार चोरी किए हुए करीब 25 किलो तार सहित गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना स्तर से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है ।

लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन लगातार जारी

क्यूँ न लिखूँ सच

एटा - जिला निर्वाचन अधिकारी प्रेम रंजन सिंह के निर्देशन में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत वोटर गाइड वितरण, प्रभात फेरी का किया गया आयोजन जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी प्रेम रंजन सिंह के निर्देशन में

जनपद के समस्त विद्यालयों से मतदाता जागरूकता प्रभात फेरी का आयोजन किया गया, यह प्रभात फेरी विद्यालय से निकलकर गांव में पहुंची और मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक किया जिला निर्वाचन अधिकारी प्रेम रंजन सिंह ने एसएसपी राजेश कुमार सिंह, सीडीओ डा0 एके बाजपेयी सहित अन्य अधिकारियों के साथ एटा लोकसभा क्षेत्र की 105-मारहरा विधानसभा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय वरिगवां पहुंचकर वोटर गाइड वितरण एवं प्रभात फेरी कार्यक्रम में प्रतिभाग किया डीएम ने बरिगवां गांव में प्राथमिक विद्यालय पर मौजूद ग्रामीणजनों को मतदाता शपथ दिलाई एवं भयमुक्त, निष्पक्ष होकर मत का प्रयोग करने की अपील की

योगेश दाधीच ने मंडी समिति स्ट्रांग रूम का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया

क्यूँ न लिखूँ सच

एटा - आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत माननीय निर्वाचन आयोग की ओर से नियुक्त पुलिस प्रेक्षक श्री योगेश दाधीच ने

मंडी समिति स्ट्रांग रूम का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों से अवगत कराया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक एटा श्री धनंजय सिंह कुशवाहा, एडीएम प्रशासन श्री आयुष चौधरी, क्षेत्राधिकारी नगर श्री विक्रांत द्विवेदी सहित अन्य पुलिस बल मौजूद रहा।

एनएसजी: आईपीएस अधिकारी नलिन प्रभात आतंकरोधी बल ह्स्त्र के चीफ नियुक्त, 2028 तक संभालेंगे जिम्मेदारी

केंद्र सरकार की कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने नलिन प्रभात की नियुक्ति को मंजूरी दी। वह अपना पद संभालने के बाद 31 अगस्त 2028 तक एनएसजी के डीजी पद पर रहेंगे।वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी नलिन प्रभात को आतंकरोधी बल एनएसजी (नेशनल सिक्योरिटी गार्ड) का चीफ नियुक्त किया गया है। नलिन प्रभात साल 1992 बैच के आंध्र प्रदेश कैडर के आईपीएस अधिकारी

हैं और फिलहाल सीआरपीएफ के अतिरिक्त डायरेक्टर जनरल पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। साल 2028 तक पद पर रहेंगे- केंद्र सरकार की कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने नलिन प्रभात की नियुक्ति को मंजूरी दी। वह अपना पद संभालने के बाद 31 अगस्त 2028 तक एनएसजी के डीजी पद पर रहेंगे। ब्लैक कैट के नाम से पहचाने जाने वाले आतंकरोधी बल एनएसजी को साल 1984 में गठित किया गया था। एनएसजी आतंकवाद और अपहरण विरोधी अभियानों के लिए बनाया गया विशेष बल है। मुंबई में 26/11 के हमले के दौरान भी एनएसजी ने अहम भूमिका निभाई थी। सशस्त्र सीमा बल के चीफ दलजीत सिंह चौधरी एनएसजी चीफ का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे। आईबी में विशेष निदेशक पद पर हुई नई तैनाती- कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने खुफिया ब्यूरो के स्पेशल डायरेक्टर पद पर सपना तिवारी की नियुक्ति को भी मंजूरी दी है। सपना तिवारी भी 1992 बैच की ओडिशा कैडर की आईपीएस अधिकारी हैं। फिलहाल सपना तिवारी आईबी में अतिरिक्त निदेशक के पद पर तैनात हैं। सपना तिवारी की नियुक्ति दो साल के लिए हुई है और वे 30 अप्रैल 2026 तक इस पद पर रहेंगी।

'आपकी दादी ने डेढ़ साल सलाखों में रखा, हम जेल और जांच से नहीं डरते', राहुल गांधी पर बरसे सीएम विजयन

राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए केरल सीएम ने कहा कि आपकी दादी ने अधिकांश वामपंथी नेताओं को डेढ़ साल से अधिक समय तक जेल में रखा था। हमारे पास पूछताछ और जेल जाने का पर्याप्त अनुभव है। हमने जेलों की जिंदगी को देखा है। हम जेलों से नहीं डरते हैं।केरल में कांग्रेस और सीपीएम के बीच सीधा मुकाबला है। दोनों पार्टियों के नेता एक दूसरे की आलोचना करते रहते हैं। इस बीच एक बार फिर केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन कांग्रेस के खिलाफ हमलावर हो गए। उन्होंने कहा कि वे कांग्रेसी नेताओं की तरह जेल जाने से बिल्कुल नहीं डरते हैं।राहुल गांधी के इसी बयान पर बरसे सीएम - दरअसल, एक दिन पहले ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आश्चर्य जताते हुए कहा था कि मुझसे 55 घंटे पूछताछ की गई थी। मेरी

लोकसभा सदस्यता और आधिकारिक आवास छीन लिया गया। वर्तमान में दो मुख्यमंत्री जेल में हैं लेकिन केरल के मुख्यमंत्री के साथ ऐसा क्यों नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा था कि ईडी और सीबीआई सहित अन्य एजेंसियां केरल सीएम से पूछताछ क्यों नहीं कर रही है। दो मुख्यमंत्री जेल में हैं, लेकिन केरल के मुख्यमंत्री के साथ कुछ क्यों नहीं हो रहा? मैं चौबीसों घंटे भाजपा पर हमला करता हूं, लेकिन मुख्यमंत्री मुझ पर ही हमला कर रहे हैं। यह थोड़ा हैरान करने वाला है। इंदिरा गांधी को लेकर की कांग्रेस की आलोचना -राहुल गांधी के इसी बयान पर विजयन ने कोझिकोड में प्रतिक्रिया दी। एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आपकी दादी, इंदिरा गांधी ने आपातकाल के दौरान मेरे साथ-साथ अधिकांश वामपंथी नेताओं को जेल में डाल दिया था। आपकी दादी ने अधिकांश वामपंथी नेताओं को डेढ़ साल से अधिक समय तक जेल में रखा था। हमारे पास पूछताछ और जेल जाने का पर्याप्त अनुभव है। हमने जेलों की जिंदगी को देखा है। हम जेलों से नहीं डरते हैं। इसलिए हमें जांच और जेल से धमकाने की कोशिश मत करो। अशोक चव्हाण का मजाक उड़ाते हुए उन्होंने कहा कि वामपंथी नेता चव्हाण की तरह रोने वाले नहीं हैं।17 यूडीएफ सांसदों पर भी निशाना- राहुल गांधी सहित राज्य के 17 यूडीएफ सांसदों पर हमला करते हुए विजयन ने कहा कि उनमें से किसी ने संसद में केरल के अधिकारों और हितों के लिए आवाज नहीं उठाई। जब केंद्र सरकार ने केरल का आर्थिक रूप से गला घोंट दिया था, तो क्या राहुल सहित अन्य कांग्रेस सांसदों ने आवाज उठाई थी? उन्होंने केरल का समर्थन करने से इनकार कर दिया था।

भीषण गर्मी के बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने लिया फैसला, वकीलों को गाउन पहनने से मिली छूट

मौसम विभाग द्वारा कोलकाता और इसके आस-पास के जिलों में भीषण गर्मी का पूर्वानुमान जारी किया गया है। इसे देखते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने वकीलों को गाउट पहनने से छूट देने का फैसला लिया है। कोलकाता में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक से छूट दे दी है। मुख्य न्यायाधीश टी एस जारी -आपको बता दें कि मौसम विभाग द्वारा पांच दिन कोलकाता और इसके आसपास के रहने की भी नसीहत दी गई है। कलकत्ता हाईकोर्ट हाईकोर्ट ने तय किया है कि गर्मी की छुट्टियों के कि गर्मियों की छुट्टियों के बाद 10 जून से न्यायालय

देशभर के कई राज्य भीषण गर्मी से तप रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि पहुंच गया है। ऐसे में कलकत्ता हाईकोर्ट ने वकीलों को गाउन पहनने शिवज्ञानम् की ओर से ये निर्देश दिए गए हैं।भीषण गर्मी का पूर्वानुमान भीषण गर्मी का पूर्वानुमान जारी किया गया है। इसके अनुसार अगले जिलों में भीषण गर्मी पड़ सकती है। इस दौरान लोगों को सावधान ने लिया यह फैसला -मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए कलकत्ता अंत तक वकीलों को गाउन पहनने से छूट दी जाएगी। कोर्ट ने कहा के कामकाज शुरू होंगे, तब तक वकीलों को गाउन पहनने से छूट दी जाती है। बता दें कि कलकत्ता हाईकोर्ट में 19 मई से गर्मियों की छुट्टियां शुरू हो जाएंगी। एक वकील ने बताया कि पिछले साल यानी 2023 में भी गर्मियों के दौरान कलकत्ता हाईकोर्ट में वकीलों को गाउन पहनने से छूट मिली थी। एक वकील ने बताया कि पिछले साल यानी 2023 में भी गर्मियों के दौरान कलकत्ता हाईकोर्ट में

उत्पाती ने छत से पुलिस पर किया पथराव, पुलिसकर्मियों ने जैसे-तैसे बचाई जान; उत्पात की सूचना पर पहुंची थी

उत्तर प्रदेश के एटा में उत्पात मचाने की सूचना पर पुलिस गांव पहुंची। पुलिस टीम को देखते ही उत्पाती ने उन पर छत से ईंट-पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। बत्थर बरसते देख पुलिसकर्मियों ने भागकर अपनी जान बचाई। किसी ने इसका वीडियो बना लिया। सोशल माडियो पर वीडियो पोस्ट किया तो यह वायरल हो गया। उत्पात की सूचना पर पुलिस गांव पहुंची। उत्पाती ने छत से पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। पुलिसकर्मियों ने जैसे-तैसे जान बचाई। काफी मशक्कत के बाद उसे पकड़ा।

घटना जलेसर थाना क्षेत्र के खानपुर गांव की है। गांव के लोगों ने 112 नंबर पर कॉल करके पुलिस को सूचना दी कि शराबी युवक गांव में उत्पात मचा रहा है। इस पर पुलिस पहुंची। पुलिस को देखते ही उत्पाती ने उन पर पथराव शुरू कर दिया। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक महिला से चीख रही है। उससे कह रही है कि पुलिस पर पत्थर मत फेंको। इसके बाद भी युवक कंट्रोल में नहीं आ रहा है। पहले तो पुलिस ने खुद को सुरक्षित किया। इसके बाद जैसे-तैसे शराबी उत्पाती को पकड़ा। उसे कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

इकरा ने मतदान कर मानी जीत न जाने कितने से होगी जीत

क्यूँ न लिखूँ सच
राकेश गुप्ता

शामली।कैराना लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी इकरा हसन ने कैराना की जैन धर्मशाला में पहुंचकर मतदान किया। सपा प्रत्याशी ने मतदान केंद्रो पर धीमी गति से हो रहे मतदान पर नाराजगी भी जाहिर की। समाजवादी पार्टी की कैराना लोकसभा सीट से प्रत्याशी इकरा हसन का कहना है कि कैराना लोकसभा में सभी जगह चुनाव ठीक प्रकार से चल रहा है। खामोशी से लोग सरकार के विरोध में मतदान कर रहे हैं। उनके अन्दर मतदान करने का एक जुनून है और उसे खामोशी के अंदर एक तूफान हैं। इकरा हसन का कहना है कि उनके लोकसभा क्षेत्र में कुछ जगह से मशीन खराब होने की शिकायत मिली है उन्होंने इसकी शिकायत चुनाव आयोग तक पहुंचती है उन्होंने मांग की की जितना समय बर्बाद हुआ है मतदाताओं को अतिरिक्त समय दिया जाना चाहिए।

उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वह ज्यादा से ज्यादा मतदान करें और चुनाव प्रतिशत रसूलपुर गांव में विगत 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में 94 प्रतिशत मतदान हुआ था। लेकिन इस बार में सभी लोग भाजपा से नाराज हैं इस वजह से चुनाव में उन्होंने कहा कि भाजपा का 400 पर का नारा बेफिजूल है इस नारे में किसी तरह का कोई दम नहीं है वह भेदभाव के आधार पर चुनाव जीतना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उनके पास में काम करने का कोई प्रमाण नहीं है वह केवल भेदभाव की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस सीट पर उनकी जीत पक्की है लेकिन कितनी वोटो से होगी यह कहना मुश्किल है

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

संक्षिप्त समाचार

शामली में मतदान सुरक्षित कराने के लिए पुख्ता इंतजाम लोगो ने बेखौफ होकर किया मताधिकार का उपयोग

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। शामली जिला निर्वाचन अधिकारी ने बेखौफ मतदान कराने के लिए पुख्ता इंतजाम किये। लोगों ने पूरे उत्सव के साथ

अपने मताधिकार का उपयोग किया। मतदाताओं की सुरक्षा मे निर्वाचन आयोग ने सीआरपीएफ तथा अन्य राज्यों को पुलिस पार्टियों को जगह-जगह सुरक्षा व्यवस्था मे लगा कर चुनाव सात प्रतिशत संपन्न कराया। इस प्रकार की व्यवस्था को देखते हुए लोगो ने बड़ा योगदान किया।

कैराना विधानसभा के गांव रसूलपुर गुजरान में चुनाव के दौरान फर्जी वोट डालने को लेकर दो पक्षों में झगड़े के कारण किया चुनाव का किया बहिष्कार

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली- कैराना लोकसभा की कैराना विधानसभा के गांव रसूलपुर गुजरान में ग्रामीणों ने चुनाव का किया बहिष्कार। ग्रामीणों का कहना है कि विगत लोकसभा चुनाव 2019 में उन्होंने भाजपा के पक्ष में मतदान किया था मतदान प्रतिशत 94 रहा था।उस समय इस गांव में चुनाव के दौरान दो पक्षों में कुछ कहा सुनी हो गई थी, जिसमें दर्जनों ग्रामीणों पर फर्जी तरीके से मुकदमे लगा दिए गए थे। आज तक उन ग्रामीणों पर वो मुकदमे ज्यो के त्यो चल रहे हैं। इसके विरोध में ग्रामीणों ने 2024 के लोकसभा चुनाव के बहिष्कार का निर्णय लिया है। इससे पहले भी ग्रामीणों ने इस फैसले की जानकारी प्रशासन में राजनीतिक लोगों को दे दी थी ग्रामीणों का कहना है कि जब तक उन्हें कोई ठोस आश्वासन नहीं मिल जाता उनकी समस्या का समाधान नहीं हो जाता तब तक इस गांव का कोई भी मतदाता वोट नहीं करेगा 10-00 बजे तक कोई भी मतदाता मतदान केंद्र पर दिखाई नहीं दिया। बल्कि ग्रामीण मतदान केंद्र से दूर एक स्थान पर इकट्ठे होकर विरोध कर रहे हैं। क्षेत्र के भाजपा नेता विधान परिषद सदस्य पूर्व मंत्री वीरेंद्र सिंह रसूलपुर गुजरान में पहुंचकर ग्रामीणों को समझाने बुझाने का कार्य कर रहे हैं। इस दौरान ग्रामीणों ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा कि उन पर फर्जी मुकदमे दर्ज किए गए थे। उधर, कैराना विधानसभा के गांव शामगढ़ी में फर्जी वोट डालने को लेकर दोनों प्रत्याशियों के एजेंट में नोकझोंक हुई। पुलिस दोनों को थाने ले गई है और झगड़े की आशंका में मुकदमा कर दिया था।

अनुसूचित मोर्चा के जिला अध्यक्ष बादल गोतम में समाज के विकास के लिए किया मतदान

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली- शामली अनुसूचित मोर्चा के जिला अध्यक्ष बादल गौतम ने समाज के विकास के लिए युवाओं और महिलाओं के उज्जवल भविष्य में गरीबों के कल्याण के लिए महिलाओं के सम्मान के लिए भारत को आत्मनिर्भर में विकसित और अधिक सशक्त बनाने के लिए लोकतंत्र के इस महापर्व के अवसर पर अनुसूचित मोर्चा के सभी कार्यकर्ता ऑन एवं पूरी टीम में किया मतदान किया गया जिसमें उन्होंने सभी युवा एवं महिलाओं को मतदान करने के लिए जागरूक किया ताकि अपना मतदान अपने अधिकार के साथ कर सके

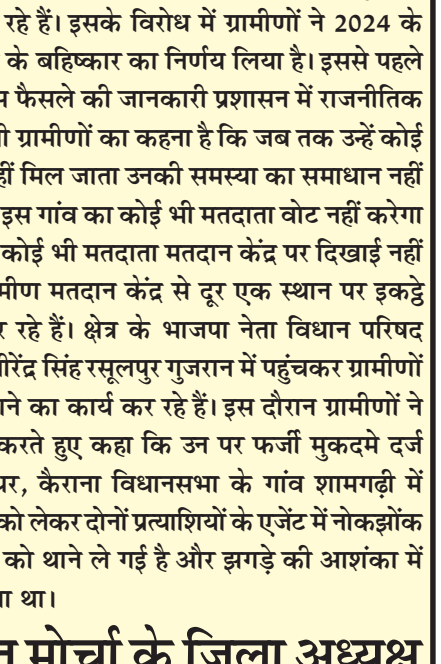

पीडीए की नजर में अतीक जीवित: माफिया को PDA ने नोटिस जारी कर कहा- बंगले का अवैध निर्माण ध्वस्त कराकर करें सूचित

प्रयागराज विकास प्राधिकरण की नजर में माफिया अतीक अहमद अभी तक जीवित है। प्राधिकरण ने अतीक अहमद ने नाम से बकायदा नोटिस जारी कर अवैध निर्माण ध्वस्त करने की चेतावनी दी है। यह भी चेतावनी दी है कि यदि आदेश पर अमल नहीं हुआ तो पीडीए निर्माण को ध्वस्त करा देगा और इसमें आने वाले व्यय को अतीक अहमद से वसूलेगा। विभाग के इस नोटिस को लेकर तरह-तरह की चर्चा चल रही है।पीडीए की भी अजब-गजब कार्यशैली हैरान कर देने वाली है। इस बार एक वर्ष पहले पुलिस जा चुके माफिया अतीक लिए पीडीए ने नोटिस चौराहे पर आंबेडकर अतीक अहमद के 571/2 सिविल स्टेशन ने ध्वस्त करा दिया

कस्टडी में गोलियों से छलनी किए अहमद को अवैध निर्माण रोकने के जारी किया है। दरअसल, हाईकोर्ट प्रतिमा के पास उत्तर की पटरी पर स्वामित्व वाले नजूल भूखंड संख्या नंबर -दो को चार वर्ष पहले पीडीए था।अतीक के मारे जाने के बाद उस भूखंड पर एक बार फिर निर्माण शुरू करा दिया गया। बाहर से टिन घेरा लगाकर अंदर काम कराए जाने की शिकायत मिलने के बाद के महीनों बाद पीडीए की तंद्रा टूटी।पीडीए ने मृत अतीक अहमद के नाम से नोटिस जारी कर उसे अवैध निर्माण रोकने और खुद से ध्वस्त करने के लिए आगाह किया है। जोनल अधिकारी की ओर से अतीक के नाम भेजे गए नोटिस में लिखा है, चार वर्ष पहले छह अगस्त 2020 को किए अनधिकृत निर्माण के विरुद्ध कारण बताने और अवैध निर्माण रोकने के लिए कहा गया था, लेकिन आप की ओर से निर्माण बंद नहीं किया गया। ऐसी स्थिति में बंगला नंबर दो पर अवैध निर्माण को स्वयं ध्वस्त कर इस कार्यालय को सूचित करें।पीडीए के जोनल अधिकारी संजीव कुमार उपाध्याय ने नोटिस में कहा है कि बंगला नंबर-दो में अवैध निर्माण तत्काल हटा लें, अन्यथा किसी भी दिन उसे ध्वस्त करा दिया जाएगा। इस ध्वस्तीकरण पर आने वाले सभी आय-व्यय को भू राजस्व बकाये के रूप में आपसे वसूल किया जाएगा। साथ ही यह भी कहा गया है कि अगर इस बंगले में भवन स्वामी के वारिस या अन्य व्यक्ति रह रहे हों तो उसे तत्काल खाली कर दें। वह मकान अतीक अहमद के ही नाम है। ध्वस्तीकरण के बाद वहां फिर से अवैध निर्माण की शिकायत मिली है, ऐसे में भवन स्वामी के नाम से नोटिस जारी करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं था। इस मामले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और अवैध निर्माण को ध्वस्त कराया जाएगा। - संजीव कुमार उपाध्याय, जोनल अधिकारी। मरे हुए माफिया के नाम से नोटिस नहीं जारी किया जा सकता है। इस मामले को देखा जाएगा। अवैध निर्माण की सूचना है। इसपर कार्रवाई की जाएगी। - अरविंद चौहान, पीडीए, उपाध्यक्ष

जिला शामली में मतदान 59 प्रतिशत सम्पन्न हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच
राकेश गुप्ता

शामली- कैराना लोकसभा सीट का मतदान 59 प्रतिशत सम्पन्न।बूथ केंद्रो पर मतदान शुरू में धीमी गति से चला लेकिन दोपहर बाद मतदान ने गति पकड़ी और लोगों की मतदान को लेकर जागरुकता बढ़ती गई।

लोगों ने खामोशी से मतदान किया। लोगों के अन्दर से मतदान करने का एक जुनून बढ़ता गया और एक तूफान सा देखा गया। मतदाताओं का कहना है कि उनके लोकसभा क्षेत्र में सब जगह ठीक तरह से मतदान हुआ। निर्वाचन आयोग ने इस चुनाव को सुरक्षित मतदान कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी को सात प्रतिशत मतदान कराने के लिए सभी जरूरी इन्तजाम कराने के निर्देशन चुनाव आयोग ने दिए थे। प्रशासन ने जिले में एक पिंक बूथ का बंदोबस्त किया गया था। जो मतदाताओं के लिए आकर्षक का केंद्र बना हुआ था। विभिन्न रुझानों के अनुसार जिला शामली में शामली शहर का मतदान 59 प्रतिशत, कैराना मतदान 60 प्रतिशत, कडेला का मतदान 60 प्रतिशत,जलालाबाद में मतदान 55 प्रतिशत के साथ सम्पन्न हुआ।

चुनाव मेंदान में प्रत्याशी की किस्मत मत पट्टियों में बंद हो गई। सभी अपनी-अपनी जीत का एकड़ लगा रहे हैं। सभी के खेमों में जीत के जश्न की उत्सुकता देखते ही बनती नजर आ रही है। लेकिन अतीत में किसको क्या मिलता है कुछ नहीं कहा सकते है।

बरात जाने से चार घंटे पहले दूल्हे ने ट्रेन से कटकर दी जान, शव के हुए कई टुकड़े, इंजन में फंसा सिर

शाहजहांपुर के तिलहर थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार को एक युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। शाम को उसकी बरात जानी थी, लेकिन दोपहर में उसने आत्मघाती कदम उठा लिया।शाहजहांपुर के तिलहर थाना क्षेत्र में बरात जाने से चार घंटे पहले गांव खनपुरा निवासी लखन वर्मा (26) ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। गांव में चर्चा है कि मंगेतर से किसी बात को लेकर विवाद होने के चलते उसने जान दी। उसका शव बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। पुलिस ने शव के टुकड़ों को एकत्रित कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।रेलवे में ट्रेन मैनेजर पद पर तैनात श्रीराम वर्मा के पुत्र लखन वर्मा की बदायूं जिले के वर्मा की बेटी प्रभा वर्मा के साथ शादी तय एक बजे लखन घर से निकला था। कुछ देर में बदल गई। पिता श्रीराम वर्मा ने बताया वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज से नर्सिंग का से प्रेम-प्रसंग हो गया। बुधवार को तिलक ओर से कार व अन्य सामान भी दिया गया। गया। परिजन भी उसकी मौत की वजह स्पष्ट विवाद में उलझी पुलिस-युवक के ट्रेन से विवाद के चलते शाहजहांपुर जीआरपी से पहुंचे और क्षत-विक्षत शव को रेलवे ट्रैक ने बताया कि शव के टुकड़े दूर तक बिखरे चला गया। उसे कटरा रेलवे स्टेशन में ट्रेन भीतर होने के चलते जीआरपी ने शव को आने वाली जननायक ट्रेन को काशन देकर

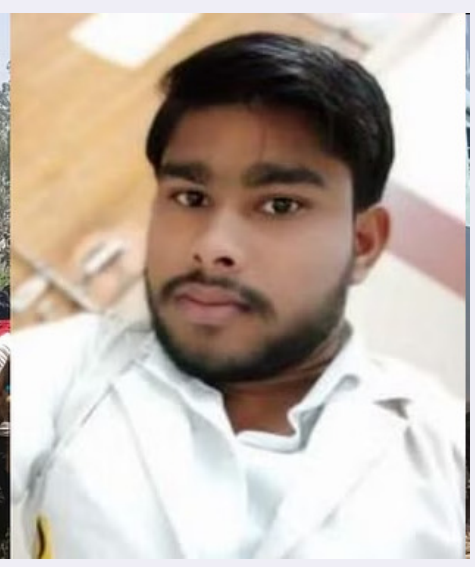

उझानी क्षेत्र के गांव भवानीपुर में रमेश चंद्र हुई थी। बृहस्पतिवार को बरात जानी थी। करीब बाद उसकी मौत की सूचना पर खुशियां मातम कि तीन पुत्रों में लखन मझला बेटा था। उसने कोर्स किया था। पढ़ाई करते समय एक लड़की चढ़ाने की रस्म हुई। इसमें लड़की वालों की बरात जाने से चार घंटे पहले लखन घर से चला नहीं बता पाए। दूर तक बिखर गए टुकड़े, सीमा कटने की खबर पर तिलहर पुलिस पहुंचीं। सीमा एसआई रजनीश कुमार शुक्ला भी मौके पर से हटवाकर ट्रैक सुचारू कराया। स्टेशन मास्टर हुए थे। उसका सिर इंजन के पहिये में फंसा को रोककर निकाला गया। घटना रेल यार्ड के पोस्टमार्टम को भेजा। इस बीच अप लाइन पर आगे बढ़ाया गया। एक मालगाड़ी को यार्ड में रोका गया। लखन पहले भी रेल ट्रैक पर जा चुका था- लखन दो बार पहले भी रेलवे ट्रैक पर कटने के लिए जा चुका था, लेकिन परिजनों ने उसे बचा लिया था। उनके रिश्तेदार मुकेश ने बताया कि होली के दिन भी लखन रेल पटरी पर बैठकर अपनी मंगेतर से बात कर रहा था। सूचना मिलने पर उसे बचाया था। मंगेतर के साथ विवाद की हो रही चर्चा-जिस मंगेतर के साथ लखन भांवर के फेरे लेने की तैयारी कर रहा था। उसी से विवाद की चर्चा जोरों पर है। परिजन भी मौत को लेकर कुछ नहीं बता पा रहे हैं। उसकी मौत से शादी वाले घर में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था।

भाजपा के घोषणापत्र में अल्पसंख्यक शब्द का उल्लेख ही नहीं, BJP घोषणापत्र पर बरसे असदुद्दीन ओवैसी

हैदराबाद। भाजपा पर अल्पसंख्यकों से नफरत करने का आरोप लगाते हुए एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि भाजपा ने अपने घोषणापत्र में अल्पसंख्यक शब्द का उल्लेख करने से भी परहेज किया है। ओवैसी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अपना दल (के) के साथ एआईएमआईएम का गठबंधन विधानसभा चुनाव में भी जारी रहेगा और पार्टी महाराष्ट्र के अकोला में प्रकाश आंबेडकर और अमरावती में आनंद आंबेडकर का समर्थन करेगी। भाजपा पर अल्पसंख्यकों से नफरत करने का आरोप लगाते हुए एआइएमआइएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि भाजपा ने अपने घोषणापत्र में अल्पसंख्यक शब्द का उल्लेख करने से भी परहेज किया है। ओवैसी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अपना दल (के) के साथ एआईएमआईएम का गठबंधन विधानसभा चुनाव में भी जारी रहेगा और पार्टी महाराष्ट्र के अकोला में प्रकाश आंबेडकर और अमरावती में आनंद आंबेडकर का समर्थन करेगी। ओवैसी ने कहा, मैने 17 अप्रैल को विभिन्न समाचारपत्रों में भाजपा का विज्ञापन देखा है। कृपया देखिए कि जब वे व्यवसाय शुरू करने के लिए सरकार से ऋण या सहायता उपलब्ध कराने की बात करते हैं तो वे एसटी या ओबीसी का जिक्र करते हैं। भाजपा अल्पसंख्यक शब्द का उल्लेख करने से भी परहेज कर रही है। मुस्लिमों के बारे में तो भूल जाओ। अल्पसंख्यक शब्द का उल्लेख भारत के संविधान में किया गया है और भाजपा को एम से बहुत घृणा है। वे कहते हैं कि छात्रवृत्ति हाशिए में आए समुदायों को दी जाएगी। एआईएमआईएम प्रमुख ने दावा किया कि दलितों एवं मुस्लिमों में स्कूल छोड़ने की संख्या सबसे ज्यादा है और भाजपा ने जानबूझकर यह सुनिश्चित किया है कि मुस्लिम समुदाय में स्कूल छोड़ने की दर बढ़े।

जिलाधिकारी ने गेहूं क्रय केन्द्र तिलकपुर का आकस्मिक निरीक्षण कर लिया जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच
अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती- जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने विकास खण्ड हरिहरपुररानी के अन्तर्गत भारतीय खाद्य निगम द्वारा संचालित गेहूं क्रय केंद तिलकपुर का आकस्मिक निरीक्षण कर गेहूं खरीद का जायजा लिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने गेहूं क्रय करने आये किसानों से भी संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना। उन्होने क्रय केन्द्र प्रभारी को निर्देश दिया कि गेहूं बेचने आये किसान भाईयों के लिए क्रय केन्द्र पर आने-जाने का रास्ता एवं वाहनों के पार्किंग के लिए भी पर्याप्त स्थान होना चाहिए, ताकि किसानों को कोई असुविधा न होने पाये। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने खरीद पंजिका, बोरों की व्यवस्था, ई-उपार्जन हेतु लैपटाप/आई-पैड, इलेक्ट्रानिक कांटा, नमी मापक यंत्र, विनोइंग फैन/पंखा, छलना पावर डस्टर एवं अन्य सभी मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होने केन्द्र प्रभारी को निर्देशित किया

कि गेहूं खरीद में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। क्रय केन्द्रों पर किसानों के बैठने के लिए छाया, पेयजल तथा केन्द्र पर अन्य आवश्यक सुविधाएं मुहैया करायी जाएं, ताकि गेहूं बेचने आये किसानों को कोई दिक्कत न होने पाये। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया है गेहूं खरीदने के बाद जब तक केन्द्र पर गेहूं रहता क्रय केन्द्र पर आज दिनांक 18 अप्रैल, 2024 को 147 कुंतल गेहूं खरीद की गई है। इस केन्द्र पर गेहूं क्रय हेतु 9000 कुंतल का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके सापेक्ष अबतक कुल 31 किसानों से 1612.50 कुंतल गेंहू खरीदा जा चुका है, जिसमें से कुल 27 किसानों का भुगतान भी किया जा चुका है। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन द्वारा गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2275 रुपये प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त गेहूं क्रय केन्द्रों पर उतराई, छनाई व सफाई में आने वाला व्यय अधिकतम रूपये 20 प्रति कुंतल कृषक द्वारा स्वयं वहन किया जायेगा जिलाधिकारी ने जनपद के किसानों से अपील किया है कि वे गेहूं बेचने हेतु अपना रजिस्ट्रेशन अपने नजदीक के जन सुविधा केन्द्रों पर जाकर वेबसाईट -https//fcs.up.gov.in पर या मोबाईल द्वारा PKisan Mitra ऐप के माध्यमा से करा लें, ताकि उन्हें अपना गेहू बेचने में कोई दिक्कत न होने पाये उन्होने किसान भाईयों से यह भी अपील किया कि अपने घर के पास-पड़ोस के किसान भाईयों को भी सरकारी क्रय केन्द्र पर गेहूं बेचने के लिए भेजें, जिससे उनको फसल का उचित मूल्य मिल सके और वे लाभान्वित हो सकेंगे। इस अवसर पर जिला खाद्य विपणन अधिकारी नरेन्द्र कुमार मिश्र, केन्द्र प्रभारी सत्येन्द्र कुमार मिश्रा सहित किसाना बन्धु उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

एसपी ने हरदत्त नगर गिरंट थाने का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। एसपी ने गिरंट थाने का निरीक्षण किया। उन्होंने थाना कार्यालय समेत मालखाना, भोजनालय आदि का भ्रमण कर व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही प्रभारी निरीक्षक को जरूरी निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने गुरुवार को थाना हरदत्तनगर गिरंट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान थाना परिसर में निर्माणाधीन आरक्षी बैरक, मालखाना, बंदीगृह, भोजनालय आदि का भ्रमण कर प्रभारी निरीक्षक को आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने उपनिरीक्षक सहित अन्य कर्मचारियों की बैठक ली। जिसमें सबसे पहले उन्होंने सभी कर्मचारियों से कुशलक्षेम जाना तथा क्षेत्र में शांति व कानून-प्रभारी निरीक्षक को जारी किए निर्देश मालखाना व भोजनालय को भी देखा व्यवस्था बनाए रखने व लोकसभा चुनाव से संबंधित सभी तैयारियों को पूर्ण करने को निर्देशित किया। उपनिरीक्षक यूटी से व्यवहारिक प्रशिक्षण सीखने को कहा। इसके बाद उन्होंने लोकसभा सामान्य निर्वाचन के दृष्टिगत फोर्स ठहरने के लिए कस्बा गिरंट स्थित कृष्णा आदर्श इंटर कॉलेज हरदत्तनगर गिरंट का भ्रमण कर मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। संबंधित को सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने को कहा।

62वीं वाहिनी एसएसबी ने किया ग्राम सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- रबीन्द्र कुमार राजेश्वरी, कमांडेंट 62 वीं वाहिनी स.सी.ब. भिनगा के दिशा निर्देशन में एवं निरीक्षक मान बहादुर गुरूंग की अध्यक्षता श्डीश समवाय गुज्जरगोरी के कार्य क्षेत्र भचकाई गांव मे ग्राम सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन

किया गया। इस दौरान निरीक्षक मान बहादूर गुरुंग ने उपस्थित सभी ग्राम वासियो का स्वागत अभिनंदन किया और ग्राम सुरक्षा समिति की बैठक में निम्मलिखित बिंदुओ पर चर्चा की गई। 1. ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के बारे में प्रेरित करना। 2. सिंगल यूज प्लास्टिक के बारे में लोगो का जागरूक करने के संबंध में चर्चा। 3. आग से बचाव तथा आग लगने पर सभी ग्रामवासी मिलकर आग बुझाने में सहयोग करने। 4. लोकसभा चुनाव में मतदान करने के संदर्भ में लोगो को जागरूक करने हेतु। 5. बच्चों के उच्च शिक्षा तथा महिलाओं के शिक्षा के बारे में चर्चा। 6. जीवन शैली में सुधार हेतु चर्चा किया गया।

जिलाधिकारी शामली रविंद्र सिंह ने मताधिकार का उपयोग करते किया मतदान

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। शामली जिलाधिकारी ने अपने मताधिकार का उपयोग करते हुए किया मतदान। जिलाधिकारी ने सुबह 10 बजे कर 54 मिनट पर अपने मताधिकार का उपयोग करते हुए मतदान किया और प्रसन्नचित्त मुद्रा में दिखे। शामली में दोपहर तक 33 प्रतिशत मतदान संपन्न हो चुका था। शामली जिला निर्वाचन अधिकारी के प्रयास से 19 अप्रैल पर होने वाले मतदान से पूर्व विभिन्न आयोजनों स

मतदाताओं को जाग्रत करने के लिए अनेक प्रकार के कार्यक्रम कर सात प्रतिशत मतदान के लिए मतदाताओं को जाग्रत करने हेतू प्रेरित किया। आज 19 अप्रैल 2024 को सुबह 7 बजे से ही मतदाताओं की लंबी कतार अपने-अपने बूथों पर लगनी शुरू हुई। मतदाताओं द्वारा मताधिकार का प्रयोग करते हुए 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक 33 प्रतिशत मतदान बिना कोई अप्रिय घटना के संपन्न हो चुका लेकिन मतदाताओं की संख्या में कोई कमी नहीं आई। मतदाताओं की सुरक्षा मे निर्वाचन आयोग ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जगह-जगह सुरक्षा व्यवस्था देखने को मिली। चुनावों में मतदाताओं मे ज्यादातर महिला मतदाताओं की संख्या देखने को मिली। मतदाताओं में 65 से 88 साल के मतदाता बीमारी होने के बाद भी मताधिकार का उपयोग करते हुए दिखे तथा बुजुर्ग महिला मतदाता भी किसी से पीछे नहीं रहे। नौजवान नागरिक का मताधिकार के लिए बड़ा योगदान रहा।

कॉलोनाइजर ने सिंचाई विभाग की टीम को बनाया बंधक, जूतों से पीटा; अवैध पुलिया ढहाने के दौरान वारदात

उत्तर प्रदेश के आगरा में रजवाहा पर अवैध पुलिया ढहाने गए सिंचाई विभाग के अवर अभियंता और उनकी टीम को कॉलोनाइजर ने साथियों संग बंधक बना लिया। बुलडोजर की चाबी छीनकर तोड़फोड़ कर दी। अवर अभियंता और कर्मचारियों की जूतों से पिटाई की। टीम किसी तरह बचकर भाग निकली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में ले लिया। मलपुरा में कॉलोनाइजर ने सिंचाई विभाग की टीम को बंधक बनाया। उन्हें जूतों से पीटा। अवैध पुलिया ढहाने के दौरान वारदात को अंजाम दिया। घटना मलपुरा थाना क्षेत्र के बरारा गांव की है। सिंचाई विभाग लोअर खंड के अवर अभियंता अमन जैन बृहस्पतिवार दोपहर एक बजे सींचपाल विजयपाल कंसाना, सींच पर्यवेक्षक राकेश कुमार के साथ बुलडोजर लेकर बरारा स्थित रजवाहा पर गए थे। अवर अभियंता ने बताया कि रजवाहा पर कॉलोनाइजर ने कालोनी बसाने के लिए अवैध पुलिया का निर्माण किया था। नहर की पटरी पर गिट्टयां भी डाल दी गई थीं। शिकायत पर वह पुलिया हटाने गए थे।आरोप है कि कॉलोनाइजर ने बुलडोजर की चाबी छीन ली। विरोध पर बंधक बना लिया। पुलिस को कॉल करने पर मोबाइल तोड़ दिया। जूतों से पिटाई की। वह किसी तरह बचकर भागे। पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना दी। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। अवर अभियंता ने कॉलोनाइजर और उसके साथियों के खिलाफ तहरीर दी। इसमें मारपीट, बंधक बनाने, गाड़ी में तोड़फोड़ और सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप है। डीसीपी पश्चिम जोन सोनम कुमार का कहना है कि मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। 20 दिन पहले तोड़ी पुलिया बनाई- ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि रजवाहा पर दो महीने पहले पुलिया का निर्माण किया गया था। इसकी शिकायत की गई थी। इस पर सिंचाई विभाग की टीम ने पुलिया को ध्वस्त कर दिया था। मगर, दबंग कॉलोनाइजर ने फिर से पुलिया का निर्माण कर लिया। इस बार कार्रवाई पर टीम पर हमला बोल दिया।

लखनऊ लोकसभा सीट: पहली बार स्थानीय प्रत्याशियों से राजनाथ सिंह की घेराबंदी, भाजपा को चुनौती देने की कोशिश

1996 से सपा, कांग्रेस सहित अन्य पार्टियां लखनऊ में कोई न कोई बाहरी नामचीन चेहरा उतार रही हैं। पहली बार विपक्ष इस सीट पर भाजपा को कड़ी टक्कर देता हुआ नजर आ रहा है।लखनऊ, अदब और तहजीब के साथ सियासत का ऐसा शहर है, जहां से होकर दिल्ली के दरवाजे खुलते हैं। ऐसे में सभी पार्टियां उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पर कब्जा जमाना चाहती हैं। यही वजह है कि बीते तीन दशक में पहली बार सपा, बसपा और कांग्रेस सहित प्रमुख विपक्षी दलों ने किसी बाहरी नामचीन या फिर बॉलीवुड के सितारों पर दांव नहीं लगाया है। इस बार गठबंधन के तहत सपा ने लखनऊ मध्य के विधायक एवं पार्टी के कद्दावर नेता रविदास मेहरोत्रा और बसपा ने लखनऊ उत्तरी से विधानसभा का चुनाव लड़ चुके सरवर अली को मैदान में उतारकर चुनाव को रोमांचक बना दिया है। जीत का ऊंट किस करवट बैठेगा यह तो मतगणना के बाद ही पता चलेगा, लेकिन चर्चा है कि कई साल बाद विपक्ष ने भाजपा को घेरने की मजबूत घेराबंदी की है।आंकड़ों पर गौर करे तो लखनऊ संसदीय क्षेत्र से 1991 से लेकर 2019 तक लगातार भाजपा जीतती आ रही है। यदि 1996 के आम चुनाव से लेकर अब तक की बात करें तो यहां से सपा, कांग्रेस, आप या फिर बसपा की ओर से काई न कोई बाहरी नामचीन चेहरा या फिर किसी बॉलीवुड के सितारे को टिकट देकर चुनावी मैदान में उतारा जाता रहा है। हालांकि इस शहर पर न तो कभी बॉलीवुड के सितारों का जादू चला है और न ही किसी बड़े नामचीन नाम का असर हुआ। सभी को यहां भाजपा को टक्कर देने के लिए इंडिया गठबंधन रविदास मेहरोत्रा को मैदान में उतारा है। वहीं बना दिया है। सरवर अली पूर्व में लखनऊ की भी मेयर का चुनाव लड़ चुकी हैं। हालांकि दोनों जानकार बताते हैं कि इस बार सपा कांग्रेस में आ जाने से चुनाव बेहद दिलचस्प हो गया है। जाता है, लेकिन स्थानीय मुद्दों का भी महत्व का कहना है कि 2014 के बाद 2019 में विकास रोजाना का लगने वाला जाम, सुरक्षा, सड़क, है। हालांकि जाम से निजात दिलाने के लिए वजह से रिंग रोड पर लगने वाला जाम खत्म

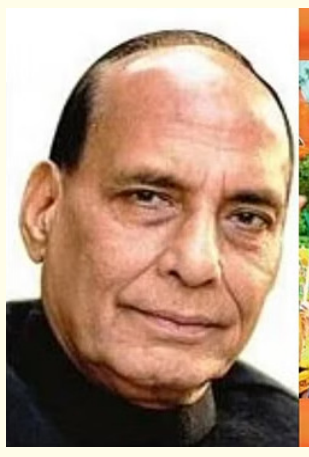

जिनमें कई पर काम शुरू हो चुका है। - शहर को स्वच्छ बनाने के लिए भी कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। गोमती नदी के सफाई का मुद्दा भी अहम है। स्मार्ट सिटी के तौर पर विकसित करने के लिए मॉडर्न ट्रैफिक मैनेजमेंट पर भी तेजी से काम हो रहा है। तीसरी बार राजनाथ सिंह मैदान में- लखनऊ संसदीय क्षेत्र में शहर की 5 विधानसभा सीटें लखनऊ (पश्चिम) लखनऊ उत्तर, लखनऊ पूर्व, लखनऊ मध्य और लखनऊ कैन्टोनमैन्ट शामिल हैं। इस संसदीय सीट से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी 91 से लेकर 2004 तक 5 बार सांसद चुने गए। - 2009 में लाल जी टंडन और 2014 एवं 2019 में राजनाथ सिंह निर्वाचित हुए। एक बार फिर 2024 में राजनाथ हैट्रिक लगाने के लिए मैदान में हैं। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी देश के तीन बार प्रधानमंत्री रहे। पहली बार 1996 में, 13 दिन दूसरी बार 1998 में 13 महीने और तीसरी बार लगातार 1999 से 2004 तक 5 वर्ष का कार्यकाल पूरा किया। बसपा सुप्रीमो के करीबी हैं सरवर-- बहुजन समाज पार्टी ने लखनऊ सीट से सरवर मलिक को उम्मीदवार बनाया है। सरवर मालिक लखनऊ की उत्तरी सीट से 2022 में बसपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं। हालांकि इस चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इतना ही नहीं बीते नगर निगम चुनाव में बहुजन समाज पार्टी ने बसपा नेता सरवर मलिक की पत्नी शाहीन बानो को लखनऊ मेयर के लिए उम्मीदवार घोषित किया था। उन्हें भी बीजेपी की सुषमा खर्कवाल ने शिकस्त दे दी थी। सरवर मलिक की गिनती बसपा सुप्रीमो मायावती के बेहद करीबियों में होती है। ... तो त्रिकोणीय हो सकता है मुकाबला- - सपा ने लखनऊ मध्य से विधायक रविदास मेहरोत्रा को उम्मीदवार बनाया है। रविदास ने केकेसी से अपनी राजनीति शुरू की थी। उनकी गिनती मुलायम सिंह के करीबियों में होती है। इसी के चलते सपा ने भाजपा का गढ़ में सेंध लगाने की जिम्मेदारी रविदास को सौंपी है। हालांकि बसपा ने लखनऊ सीट पर मुस्लिम दांव खेल दिया है। लखनऊ में ठीक-ठाक मुस्लिम आबादी होने के कारण मुकाबला त्रिकोणीय बन सकता है। सरवर मलिक के मजबूत चुनाव लड़ने से इंडिया गठबंधन के संयुक्त उम्मीदवार रविदास मेहरोत्रा को नुकसान हो सकता है। राजधानी में नामचीन चेहरों ने आजमाई किस्मत- शत्रुघ्न सिन्हा व सोनाक्षी ने किया प्रचार- वर्ष 2019 में पूर्व बीजेपी नेता फिल्म स्टार शत्रुघ्न सिन्हा की पत्नी पूनम सिन्हा को गठबंधन की उम्मीदवार रहीं हैं। इस चुनाव में शत्रुघ्न सिन्हा और बेटी सोनाक्षी ने खूब प्रचार प्रसार किया और कई फिल्म स्टार भी प्रचार में आए, लेकिन लेकिन लखनऊ ने उन्हें तवज्जो नहीं दी। जावेद की जमानत तक जब्त हो गई- साल 2014 के ही चुनाव में आप ने मशहूर कमेडियन जगदीप के बेटे एवं बॉलीवुड अभिनेता जावेद जाफरी को मैदान में उतारा था। लेकिन उन्हें भी निराश होना पड़ा था। राज बब्बर के इरादों पर फिरा पानी- साल 1996 के चुनाव में सपा ने राज बब्बर को मैदान में उतारा, चुनावी इरादों पर पानी फेर दिया था। राज बब्बर की एक झलक पाने के लिए भीड़ टूट पड़ती थी, लेकिन करारी हार ने राज बब्बर के इरादों पर पानी फेर दिया था। अटल बिहारी वाजपेयी फिर जीते।राज घराने के कर्ण सिंह भी रहे नाकाम -1999 कश्मीर के राज घराने से ताल्लुक रखने वाले दिग्गज कांग्रेसी नेता डॉ. कर्ण सिंह ने लखनऊ की राजनीतिक जमीन पर अपनी चुनावी फसल उगाने की कोशिश की, लेकिन यहां भी वह फसल नहीं हुए। अटल ही सबकी पहली बने। मुजफ्फर अली का स्टेटस काम नहीं आया -वर्ष 1998 में उमराव जान जैसी मशहूर फिल्म बनाने वाले और कोटवारा स्टेट के शाही परिवार से ताल्लुक रखने वाले मुजफ्फर अली ने सपा के झंडे तले लखनऊ से चुनाव लड़ने उतरे, लेकिन जीत का सेहरा एक बार फिर अटल के सिर बंधा।

हार का सामना करना पड़ा है।- अब लगभग तीन दशक के बाद की ओर से सपा ने अपने स्थानीय विधायक एवं कद्दावर नेता बसपा ने सरवर अली को टिकट देकर मुकाबले को रोमांचक उत्तरी सीट से विधानसभा का चुनाव लड़ चुके हैं। उनकी पत्नी को चुनावों में हार का सामना करना पड़ा था। राजनीति के गठबंधन होने और चुनावी मैदान में स्थानीय कद्दावर नेताओं के स्थानीय मुद्दे- - वैसे तो लोकसभा चुनाव देश के मुद्दे पर लड़ा होता है। आशियाना के रहने वाले अंकित कुमार, सुजीत सिंह के मुद्दे पर चुनाव लड़ा गया था। लेकिन लखनऊ का मुद्दा था बिजली पानी, अनियमित कॉलोनियों का नियमितीकरण रहा किसान पथ का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। इसकी होगा। इसके अलावा कई फ्लाईओवर को मंजूरी दी गई है,

If you are planning to go for Amarnath Yatra in 2024, then know when and where the health certificate required for the yatra will be made.

Every year people go on Amarnath Yatra (Amarnath Yatra 2024) to see Baba Barfani. This year this yatra will start from 29th June and will continue till 19th August. Registration to participate in the yatra (Amarnath Yatra 2024 Registration) has started from Monday. Health certificate is very important to go on this journey. Let us know all the important information related to this certificate. Registration for Amarnath Yatra 2024 has started from 15th April. This year the yatra for darshan of Baba Barfani will start from June 29. This difficult journey of Amarnath will continue till 19th August i.e. Rakshabandhan. Devotees of Baba Bholenath

eagerly wait for Amarnath Yatra (Amarnath Yatra 2024) every year. This journey is highly regarded in Hindu religion. This is the reason why every year a large number of devotees reach here for the darshan of Baba Amarnath. In this sequence, registration for booking Amarnath Yatra 2024 (Amarnath Yatra 2024 Registration) has started from Monday i.e. 15th April. This annual pilgrimage is going to start on June 29 this year, which will continue till August 19 i.e. the festival of Raksha Bandhan. In such a situation, any devotee who wants to visit the temple of Baba Barfani located in Anantnag district of Jammu and Kashmir. If they want, they can register for it in 540 designated bank branches across the country including Jammu and Kashmir Bank, Punjab National Bank, State Bank of India and Yes Bank or through the website of the Shrine Board. If you are also planning to visit Baba Amarnath this time, then today we will tell you about some things necessary for its registration - Health Certificate for Amarnath Yatra 2024 - If you are registering for Amarnath Yatra 2024. If so, you must have a health certificate issued by a doctor and medical facilities authorized by the state governments or the Centre. Keep in mind that only health certificates issued after April 8, 2024 will be considered valid for Amarnath Yatra 2024. Amarnath Yatra 2024 Registration Fee- If you are registering for the yatra, then the registration fee for one person has been fixed at Rs 250. Apart from this, the person registering will have to provide all his contact details including photograph of each passenger, name of the group leader, a mobile phone number and an active email. The postal charges for sending all these documents vary depending on the number of pilgrims in a group. These charges can be Rs 50 for a group of one to five people and Rs 300 for a group of 26 to 30 people. Important guidelines for Amarnath Yatra 2024 – Age Limit – If you are below 13 years of age or above 70 years of age and are more than six weeks pregnant, then you cannot register for the Yatra. Health Certificate- All passengers traveling must have a health certificate issued by doctors and medical institutions recognized by the state and union territory governments. Bank for registration – Interested person can get the registration done for the journey from Jammu and Kashmir Bank, Punjab National Bank, State Bank of India and Yes Bank. Important Documents- Every person registering for the Yatra will have to provide all the information including photograph, registration fee (Rs 250 per pilgrim), name of the group leader, mobile number and email. Postal Charges – Rs 50 for group of 1-5 pilgrims, Rs 100 for group of 6-10, Rs 150 for 11-15, Rs 200 for 16-20, Rs 250 for 21-25 and Rs 26 -Rs 300 for 30 pilgrims. Validity of Health Certificate- Keep in mind that the health certificates required for the journey should have been issued after April 8, because only the certificates of this period will be considered valid for this year's journey. For more information related to the yatra, interested people can take help of the official website of the Shrine Board.

You can use your grandmother's or mother's wedding outfit in these ways, it will not look boring and old.

Every bride's dream is to look the most beautiful at the wedding. For which a lot of money is spent on clothes and jewellery, but if you do not want to spend too much money on clothes, then a very good option is to reuse your grandmothers' wedding clothes. how? Let us find out here. Of the overall wedding expenses, the biggest expenditure is on the bride's outfits. You can use your grandmother's or mother's wedding clothes in different ways in your wedding. The trend of sustainable wedding is becoming increasingly popular these days. Which is a very good initiative. In this, you can control the wastage of clothes, food, decoration, gifts and other things to a great extent and can also save money. Celebrities are also participating enthusiastically in this trend. As soon as the wedding is fixed, brides start preparing what to wear. From haldi to

mehendi, sangeet, reception, a different outfit for every function. In which money is not only spent, but it also has no special use later. If they just keep lying in the cupboard gathering dust, then a very good option is to reuse your grandmothers' wedding outfits. Today we are going to share some such ideas with you, with the help of which you can wear their wedding dress in your wedding and believe me, it will not look boring and old at all. Use of lehenga- You can wear your grandmother's or mother's lehenga in your wedding or any function. If you feel that overall lehenga is a bit dull as per the trend, then you can use only skirt. You can get the blouse stitched as per your choice. You can choose either contrast or matching option. You can give a new touch to the lehenga by placing a border of mirror, lace or silk at the bottom. Use of blouse- In earlier times, instead of blouse with lehenga, short kurti and gota-patti blouse were very popular. If you have such blouses in your grandmother's box, then why not use them on this occasion, because gota-patti work is back once again. Not only lehengas, you can team up such blouses with sarees also. After marriage, one has to wear a saree on many occasions and that too with a bit of shine, so instead of making or buying new blouses for every saree, reuse them. Use of Dupatta - Nowadays brides carry double dupatta with lehenga. Is doing. One matching the lehenga and the other contrasting, so if you are also thinking of doing this experiment, then why not try the dupatta from your grandmother's or mother's wedding outfit. You can also make some changes in the dupatta as per your choice. You can make the dupatta more beautiful by adding tassels and fringes.

Mental Health: The burden of studies is becoming the cause of mental problems in children, parents can help them in this way

Parents have many types of tensions regarding their children. Many things are involved in this, from giving them good education to teaching them good habits, but in this process, many times parents do not pay attention that a different kind of pressure is created on children which can make them victims of many types of mental problems. Is. Study pressure can become the cause of mental problems in children. It is important to pay attention to these things to keep the mental health of children healthy. Changing times have not only changed the way people wear clothes, but also their tolerance and food habits. involved in this change, one of and writing have a direct there is a different kind of the beginning, but nowadays it are going through many types of problems in children due to concern. In view of the on the students for good angry, aggressive and like headache, stomach ache and cases, these mental problems can with any mental health related these things in mind - Recognize problems - If your child remains people than before. If it has to your diet and there is a change symptoms of stress and can prevent it from reaching a important, but do not put so prey to stress even in childhood.

thinking and living. -It is also visible in However, there are many other things which is the education system. Reading connection with a good future. Therefore, pressure on children regarding this from has increased a bit. Due to which students mental problems. The increasing mental education at an early age is a matter of competition, there is a different pressure performance. Due to which they may feel underconfident. Due to this, symptoms insomnia can also be experienced. In some also become a reason for self-harm. To deal problem in children, it is important to keep the symptoms of mental health related angry all the time, he is more likely to meet decreased, you are not paying attention in your sleep-wake pattern, then these are depression. By identifying it in time, we serious situation. Reading and writing are much pressure on children that they fall Discuss openly - Along with studies, everywhere at home, school, coaching, create an environment where children can discuss their problems openly. Without fear or panic. By giving children this freedom, you can save them from falling prey to stress and depression. Also explain to them that being mentally healthy is as important as being physically healthy and if they have to take the help of an expert in this, then do not hesitate in doing so. Keep them away from social pressure – tell them about healthy competition. This provides motivation for reading, writing or other work, rather than increasing stress. Believe me, due to this, children perform better in academics and other areas.

Bushra Ansari got married for the second time at the age of 67, showed a glimpse of her new husband in the vlog

Pakistani actress Bushra Ansari is in the headlines these days for a special reason. For quite some time, Bushra was in the headlines for her personal life. Now the actress herself has revealed this secret. The actress has surprised her fans by getting married for the second time

at the age of 67. Pakistan's famous actress Bushra Ansari has been seen in many face shows. The actress started her career as a child artiste in the 60s. Now the actress is in the headlines for a special reason. Actually, the actress has married for the second time at the age of 67. For quite some time, Bushra was in the headlines for her personal life. Now the actress herself has exposed this secret. Revealed through vlog - Bushra Ansari along with her acting also shares her daily vlogs. In this recent vlog, she revealed her second marriage and also introduced her fans to the prince of her dreams. Who is Bushra's second husband? Let us tell you, the actress has chosen Pakistan's famous film director Iqbal Hussain as her life partner. This couple answered all the questions of the people through vlog. Where did they first meet - During this, they told that while working in a play, their bond had become strong and Iqbal had proposed Bushra. Not only this, the actress also took a lot of time to accept this proposal. His parents also liked Iqbal. Let us tell you, the first marriage of the actress lasted for 30 years, after which both of them got divorced.

Son or daughter, whose daddy does Ranveer Singh want to be, 'Singham Again' actor openly expressed his wish

Ranveer Singh and Deepika Padukone, one of B Town's favorite couples, are going to become parents in a few months. Ranveer had also expressed happiness in Anant Ambani's concert that he was going to be a father. The joy of welcoming the first child can be clearly seen on the actor's face.

Now the Simmba star has told whether he wants a son or a daughter. Ranveer Singh and Deepika Padukone are one of the most loved couples of the Bollywood industry. Their pairing is much liked onscreen and offscreen. The couple will welcome their first child into this world in a few months. Along with Ranveer and Deepika, fans are also waiting for the couple's child to come into the world. Ranveer-Deepika will become parents after 6 years of marriage. Deepika Padukone had announced her pregnancy in January through a special post. Since then, fans have been waiting for the actress's child to come into this world. After six years of marriage, the couple will welcome their first child into the world. Ranveer Singh has recently told whether he wants to become the father of a girl or a boy. Boy or girl, what does Ranveer want? - Naveer Singh had revealed in an old interview that whether he would like to be the father of a boy or a girl. He gave a twisted answer to this. The actor said, 'When you go to the temple, you do not ask whether you will get laddus or sheera in the prasad, you just take whatever is available.' He said that this logic applies to children also. Whatever God gives them, they will be happy in it. Had talked about having a daughter like Deepika - Earlier, Ranveer Singh had revealed in a show that if he ever had a daughter, he would want her to be like Deepika Padukone. He had said that he often looked at Deepika's childhood photos and said that he wanted a similar cute girl for his daughter.

From Fallout to The Witcher, these web series full of action and adventure are based on video games.

There are many web series on OTT platform Prime Video Netflix which are based on video games. This list includes many names from the recently released Fallout to The Witcher. Let us tell you that Fallout has been made under the direction of Jonathan Nolan and this web series has been released on Prime Video on 11th April. Along with watching movies in theatres, the audience is also crazy about web series. Action, horror, romantic, there are many such series which are liked by the audience. Along with this, there are many series which are based on video games. This list includes many names from the recently released Fallout to Castlevania. Fallout - The web series Fallout, directed by Jonathan Nolan, has been released on Prime Video on April 11. This web series depicts a fictional story of a world destroyed after a nuclear attack, which is based on a very famous video game series of the same name. The Witcher - The Witcher is an adventure fantasy action series of Netflix. In this series, Henry plays the character of Geralt of Rivia, who is a witcher and monster hunter. Let us tell you that this web series is also based on the video game of the same name. It has had 3 seasons so far. Castlevania – The animated Netflix web series Castlevania is based on the Japanese dark fantasy game of the same name. There have been 4 seasons of this series so far. Fans liked this series a lot. The Last of US- Viewers can watch The Last of US on Disney Plus Hotstar. This web series is full of action and suspense. Let us tell you that Pedro Pascal and Bella Ramsey have played the lead roles in this show. This drama series is based on a game launched in 2013. Pokémon – The long-running Pokémon anime series is also originally based on the Pokémon games. There is a lot of action and adventure in this series. Alien: Isolation - Alien: Isolation - The Digital Series is an American adult animated science fiction horror web series, directed by Fabien Dubois. The Alien franchise was created by Dan O'Bannon and Ronald Shusett and is based on the 2014 video game of the same name by Creative Assembly.